● वर्ष : 17 ● अंक : 157 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शनिवार 28 मार्च 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

सरकार ने कहा- देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा

रसोई गैस उत्पादन में 40 फीसदी वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति 70 फीसदी तक बहाल: केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने भी कहा- लॉकडाउन से जुड़ी अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार है। करीब दो महीने के लिए ईंधन उपलब्ध है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, देश की सभी रिफाइनरी 100 फीसदी कैपेसिटी से काम कर रही हैं। देश में घरेलू LPG प्रोडक्शन 40% बढ़ा है। पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। वहीं पश्चिम एशिया संकट को लेकर PM नरेंद्र मोदी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग जारी है। इसमें राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जा रही है। मीटिंग में चुनाव वाले 5 राज्यों को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वहां आचार संहिता लागू है। यहां के मुख्य सचिवों के साथ कैबिनेट सचिवालय के जरिए अलग से बैठक की जाएगी। सरकार ने इसे अफवाह करार देते हुए लोगों से भ्रमित न होने की अपील की है। पेट्रोलियम

और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि लॉकडाउन लगाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और पेट्रोल, डीज़ल तथा एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें किसी वास्तविक कमी के कारण नहीं, बल्कि अफवाहों की वजह से देखी गईं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर से अधिक हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद देश में ईंधन आपूर्ति बाधित नहीं है और कीमतों को स्थिर बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। भारतीय मिशन 24 घंटे सक्रिय है और वहां मौजूद भारतीय नागरिकों, छात्रों और फंसे हुए लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उड़ानों पर प्रतिबंध के बीच वैकल्पिक मार्गों से यात्रा की व्यवस्था की जा रही है, जबकि कुछ परीक्षाएं स्थगित या रद्द की गई हैं। इसी संदर्भ में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की वैश्विक साझेदारों के साथ बातचीत लगातार जारी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए फ्रांस के दौरे पर हैं और उन्होंने इस बैठक के इतर फ्रांस, कनाडा, दक्षिण कोरिया, जापान, ब्राजील, ब्रिटेन, जर्मनी और यूक्रेन के अपने समकक्षों से मुलाकात की। जायसवाल के अनुसार इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पश्चिम एशिया के हालात पर भी चर्चा हुई। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक रुकावटों के बावजूद भारत ने कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। साथ ही घरेलू रसोई गैस के उत्पादन में लगभग 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को धीरे-धीरे 70 फीसदी तक बहाल कर दिया गया है, जिसमें प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के कारण ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है। इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के बजाय स्वयं वहन किया है, जिससे पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क 10-10 रुपये प्रति लीटर कम हो गया है।

एक्साइज ड्यूटी में कटौती का फैसला आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सरकार की जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब पश्चिम एशिया संकट के बीच पूरी दुनिया ईंधन की कमी से जूझ रही है और कीमतें वैश्विक स्तर पर बढ़ रही हैं, ऐसे समय में मोदी सरकार का ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को बहुत जरूरी राहत देता है। अमित शाह ने पोस्ट में आगे लिखा, जहां कई देशों ने डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं, वहीं मोदी सरकार का एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लिखा, मौजूदा उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर बहुत ही साहसी और संवेदनशील फैसला लेकर स्थिति को संभाला है। उन्होंने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दी है, जिससे आम आदमी को बहुत बड़ी राहत मिली है। उन्होंने आगे लिखा, जैसे कोविड महामारी के दौरान भारत ने बाकी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम की थी, वैसे ही मौजूदा समय में भी प्रधानमंत्री मोदी ने रास्ता दिखाया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पोस्ट में कहा, हर नागरिक के लिए एक बड़ी राहत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ईंधन पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कटौती की है।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन

एजेंसी। नई दिल्ली

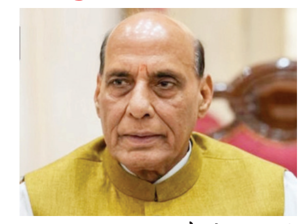

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने वैश्विक स्तर पर चिंता की स्थिति पैदा कर दी है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी सैन्य संघर्ष का असर अब विश्व अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर साफ दिखाई देने लगा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने एक उच्चस्तरीय इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप (आईएमजी) का गठन किया है, जो इस संकट से उत्पन्न होने वाले संभावित प्रभावों पर नजर रखेगा और समय रहते आवश्यक निर्णय लेगा। इस ग्रुप की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इसके अलावा, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत अन्य संबंधित मंत्रालयों के मंत्री इसमें शामिल होंगे। यह समूह समन्वय के साथ कार्य करते हुए देश के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजेगा। सरकार का यह निर्णय इसलिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। देश अपनी कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की करीब आधी जरूरत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते पूरी करता है। हाल ही में इस क्षेत्र में बढ़ते हमलों और तनाव के कारण तेल टैंकरों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संकट और गहराता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम जनता पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ने की आशंका है, जिससे आर्थिक स्थिरता पर दबाव बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए गठित इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप स्थिति पर लगातार निगरानी रखेगा।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ने सीपीईएस, आईईएस अधिकारियों को राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा (सीपीईएस) और भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि ये अधिकारी देश की प्रगति के अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं और उनके निर्णय देश को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने अधिकारियों को समर्पण और जुनून के साथ कार्य करने की सलाह दी तथा चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करते हुए नवाचार और निरंतर सीखने की भावना बनाए रखने पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि बिजली औद्योगिक विकास, नवाचार और जीवन स्तर में सुधार की आधारशिला है। यह सेवा उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है और देश की ऊर्जा संरचना को मजबूत करने में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक और घरेलू परिदृश्य में आर्थिक नीति निर्माण और उसका प्रभावी क्रियान्वयन पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इन अधिकारियों की भूमिका सतत विकास सुनिश्चित करने, महंगाई नियंत्रण, रोजगार सृजन और असमानताओं को कम करने में अहम होगी।

राज्यसभा में गूंजा धर्मांतरण का मुद्दा, सख्त कानून बनाए जाने की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुमेर सिंह सोलंकी ने राज्यसभा में शुक्रवार को आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि देश में सबको धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार तो है, परंतु छल, बल और प्रलोभन द्वारा धर्मांतरण कानूनी अपराध है। धर्मांतरण रोकने के लिए संविधान में संशोधन होना चाहिए। इसके तहत आदिवासी समाज का जो व्यक्ति धर्मांतरित हो चुका है, उनका आरक्षण खत्म होना चाहिए। उन्हें डिलिस्टिंग भी कर देना चाहिए। यह लोग जनजाति समाज के हक को मार रहे हैं। सोलंकी ने कहा कि कई राज्यों में धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, फिर भी पूरे देश में एक कठोर कानून की आवश्यकता महसूस की जा रही है, जिससे आदिवासी के अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा की जा सकती है। सोलंकी ने कहा कि धर्मांतरण हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है, जिस पर हमें सोचना पड़ेगा। आदिवासी समाज सनातन धर्म, संस्कृति और परंपराओं को मानने वाला रहा है, लेकिन धर्मांतरण के कारण आज जनजाति समाज की पहचान खतरे में है, जिसकी हम सबको चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज छल एवं डरा धमका कर धर्मांतरण किया जा रहा है। आर्थिक लालच देकर, नौकरी, इलाज और शिक्षा का लालच देकर, अंधविश्वास भ्रम फैलाकर धर्मांतरण किया जा रहा है।

महंगाई से राहत के लिए कदम, घबराने की जरूरत नहीं : वित्त मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल

और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस फैसले को उपभोक्ताओं के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर करीब 10 रुपये प्रति लीटर तक एक्साइज ड्यूटी घटाई है। इसके बाद पेट्रोल पर ड्यूटी घटकर लगभग 3 रुपये प्रति लीटर रह गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है। इस निर्णय से देशभर में बढ़ती महंगाई के दबाव को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आपूर्ति बाधित होने और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसे लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और समय रहते जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व में सरकार ने ईंधन आपूर्ति को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। साथ ही, उन्होंने देश में लॉकडाउन लगाए जाने की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि ईंधन संकट के कारण किसी भी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है और इस तरह की खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट से बचें। वित्त मंत्री ने कुछ नेताओं के लॉकडाउन संबंधी बयानों पर भी आपत्ति जताई और उन्हें गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उनका कहना था कि ऐसे बयान मौजूदा परिस्थितियों में अनावश्यक डर पैदा करते हैं।

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है। सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी। पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा।

‘फांसी घर’ मामले में केजरीवाल और उनके साथियों के विरुद्ध चेतावनी प्रस्ताव पारित

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा सदन में आज नियम 77(1)(ए) के तहत एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। यह पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला के लिए चेतावनी प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव सदन की अवमानना सिद्ध होने और विधानसभा परिसर के भीतर एक काल्पनिक ‘फांसी घर’ की “मनगढ़ंत और आधारहीन कहानी” प्रचारित करने के खिलाफ लाया गया था। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हालांकि सदन के पास कारावास जैसी कठोर सजा देने का भी अधिकार है, लेकिन विधायिका की गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए सदन ने न्यायिक संयम का परिचय देते हुए दंड के प्रथम चरण के रूप में यह औपचारिक चेतावनी जारी करने का निर्णय लिया है। स्थिति की गंभीरता पर सदन को संबोधित करते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर के भीतर ‘फांसी घर’ के “मनगढ़ंत नैरेटिव” पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस गौरवशाली भवन को फांसी घर से जोड़ना इसके वास्तविक इतिहास के

साथ अन्याय है। उन्होंने कहा, “सदन इस मामले पर अत्यंत न्यायसंगत तरीके से विचार कर रहा है। अवमानना सिद्ध हो चुकी है। विशेषाधिकार के मामलों में भारत की कोई भी अदालत राहत नहीं दे सकती, फिर भी हम इस संस्थान की मर्यादा के अनुरूप ही कार्रवाई कर रहे हैं। विजेंद्र गुप्ता ने सदस्यों को स्मरण कराया कि यह सदन केवल एक भवन नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक पवित्र मंदिर है। उन्होंने कई ऐतिहासिक तथ्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि यह देश का एकमात्र ऐसा सदन है जहां गांधी जी स्वयं कार्यवाही देखने आए थे। अपनी आत्मकथा ‘सत्य के प्रयोग’ (पृष्ठ 396) में उन्होंने मार्च 1919 में यहां हुए ‘रौलट बिल’ के विवाद का उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि रौलट एक्ट 18 मार्च, 1919 को इसी सदन में पारित हुआ था। यहां की कार्यवाही देखने के बाद ही गांधी जी ने असहयोग आंदोलन का आह्वान किया था। अध्यक्ष ने बताया कि 30 मार्च, 1919 को चांदनी चौक में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हुई बर्बर फायरिंग, जिसे गांधी जी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की पूर्व सूचना बताया था, इसी सदन के भीतर लिए गए निर्णयों का प्रत्यक्ष परिणाम थी।

जमानत पर छूटकर धमकी देने वालों की जमानत कराएं निरस्त : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमानत पर छूटकर वादी को धमकाने वाले अभियुक्तों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उनकी जमानत निरस्त कराई जाए।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन परिसर के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से आए करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों ने दबंगों द्वारा डराने-धमकाने की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विज्ञान और तकनीक का अनोखा संगम सूर्य तिलक, 12 बजे रामलला के माथे पर हुआ चमकदार तिलक

एजेंसी। नई दिल्ली

अयोध्या में राम नवमी का पवित्र पर्व अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाया गया और राम मंदिर में भव्य सूर्य तिलक समारोह आयोजित हुआ। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण सूर्य तिलक अनुष्ठान है, जो ठीक दोपहर 12:00 बजे संपन्न होता है। इस अनूठे समारोह के दौरान, मंदिर के भीतर स्थित राम लल्ला प्रतिमा के माथे पर वैज्ञानिक विधि से सूर्य की किरण डाली जाती है। वहीं इस पावन मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवान राम लला से प्रार्थना की और अयोध्या राम मंदिर में सूर्य तिलक समारोह का अवलोकन किया। वैज्ञानिक के द्वारा दर्पणों और लेंसों की उन्नत प्रणाली की बदौलत सूर्य की रोशनी गर्भगृह में प्रवेश करती है और कुछ मिनटों के लिए प्रभु रामलला के माथे पर एक चमकदार तिलक

पीएम मोदी सहित करोड़ों श्रद्धालु बने दिव्य सूर्य तिलक के साक्षी

बनाती है। यह समारोह दिव्य आशीर्वाद का प्रतीक है और परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। भक्तों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंदिर अधिकारियों ने अयोध्या भर में लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था की, जिस कारण हजारों भक्त इस क्षण के साक्षी बन सके। शुक्रवार सुबह अयोध्या में राम नवमी के मौके पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, क्योंकि हजारों लोग दूर-दराज के क्षेत्रों से धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए पहुंचे। सरयू नदी में पवित्र स्नान करने के बाद, श्रद्धालु अयोध्या के राम मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में प्रार्थना के लिए उमड़ पड़े। पूरा शहर गहरी भक्ति के वातावरण में डूबा रहा और जय श्री राम के जयकारे गूंजते रहे। भगवान श्री राम की जयंती मना रहे श्रद्धालुओं में उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की और पुलिस बलों को विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। अयोध्या मंडल के आयुक्त राजेश कुमार ने कहा कि राम नवमी के मौके पर अयोध्या में आस्था की लहर दौड़ गई है, हर जगह श्रद्धालु दिख रहे हैं और चारों ओर ‘जय श्री राम’ के जयकारे गूंज रहे हैं।

ज्वलंत मुद्दा संपादकीय

रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यकता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है।

जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फ़ीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं की 13 मार्च तक उसके पास 710 अरब डॉलर का भंडार था, मार्च माह में विदेशी निवेशकों ने 12.01 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.10 लाख करोड रुपए होता है वह निकाल लिया है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा सोना, एसडीआर और आईएमएफ के जरिए प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा का भंडार अमेरिकी डॉलर यूरो, युआन और पाउंड पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में 556 अरब डॉलर और 131 अरब डॉलर का सोना है। आरबीआई सोने को बेचता नहीं है, इस स्थिति में रिजर्व बैंक के पास डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए मात्र दो तरीके बचते हैं, पहला वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार की मुद्राओं को बाजार में बेचे लेकिन इसका असर भारत की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दूसरा ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ेगा। इससे रुपए की गिरावट कुछ समय के लिए थम सकती है। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश से जो राशि रिजर्व बैंक में आती थी उसमें बड़ी गिरावट आई है। युद्ध के कारण जिस तरह की स्थिति है उसके बाद उसको थाम पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे तब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 84 रुपए का था जो अब 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

ख़ास ख़बर

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को दी गयी अग्रिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरि को पॉक्सो मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की गई है। याचिका इस मामले के शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज ने दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील सौरभ अजय गुप्ता ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के जमानत पर रहने पर वो गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। उच्च न्यायालय ने ज़मानत देते वक़्त मिनी ट्रायल की तरह फैसला दिया है। याचिका में कहा गया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने केस की गलत तरीके से व्याख्या की है। इससे पूरा केस प्रभावित होगा। याचिका में कहा गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मीडिया में बयान न देने की उच्च न्यायालय की ओर से लगाई शर्त का उल्लंघन किया है।

सात विदेशी नागरिकों से जुड़े मामले की सुनवाई एनआईए मुख्यालय में ही करने की अनुमति

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने भारत आकर उत्तर-पूर्व के जातीय समूहों को ट्रेनिंग देने में आरोपित सात विदेशी नागरिकों से जुड़े मामले की सुनवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मुख्यालय में ही करने की अनुमति दे दी है। एनआईए ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इन विदेशी नागरिकों से जुड़े मामले की सुनवाई एनआईए मुख्यालय में कराने की अनुमति मांगी थी। एनआईए का कहना है कि वो इन विदेशी नागरिकों के संबंध में विभिन्न देशी और विदेशी एजेंसियों के साथ लगातार काम कर रही है ताकि पूरी साजिश का खुलासा किया जा सके। आज इन विदेशी नागरिकों की एनआईए हिरासत खत्म हो रही थी जिसके बाद एनआईए ने ये अर्जी दाखिल की। बता दें कि 17 मार्च को कोर्ट ने इन विदेशी नागरिकों को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था। कोर्ट ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप हैं, ऐसे में उनको हिरासत में पूछताछ की जरुरत है। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि ये विदेशी नागरिक म्यांमार में अवैध तरीके से घुसे और मिजोरम के संरक्षित इलाकों में प्रवेश कर जातीय समूहों से संपर्क कायम किया। आरोपितों पर अवैध हथियारों की आपूर्ति करने , जातीय समूहों को ट्रेनिंग देने और उन्हें ड्रोन चलाने में सहयोग करने का आरोप है। इन सात विदेशियों में छह यूक्रेनी नागरिक और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। एनआईए के मुताबिक ये विदेशी वीजा पर भारत आए और फिर मिजोरम में प्रवेश किया, जो एक संरक्षित क्षेत्र है। इसके बाद वे म्यांमार में दाखिल हुए और जातीय युद्ध समूहों से संपर्क साधा। एनआईए के मुताबिक इन विदेशी नागरिकों को म्यांमार में प्रशिक्षण दिया गया था जिसके बाद वे जातीय युद्ध समूहों को प्रशिक्षित कर रहे थे। ये समूह भारत में सक्रिय विद्रोही समूहों से जुड़े हुए हैं। यह आरोप भी लगाया गया है कि वे यूरोप से ड्रोन की एक बड़ी खेप लेकर आए थे। एनआईए ने इनके खिलाफ यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया है।

हरियाणा विधानसभा के टिकट के नाम पर 7 करोड़ की ठगी का आरोप, दिल्ली में मुकदमा दर्ज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता गौरव कुमार की तहरीर पर गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली जिले के नॉर्थ एवेन्यू थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में कांग्रेस पार्टी से जुड़े कुछ वरिष्ठ नेताओं और उनके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। गौरव कुमार ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी को बावल विधानसभा सीट से टिकट दिलाने का भरोसा दिया गया था। वह पूर्व में महिला कांग्रेस में महासचिव भी रह चुकी हैं। कांग्रेस पार्टी के टिकट के एवज में अलग-अलग माध्यमों से उनसे करीब 7 करोड़ रुपये लिए गए। आरोप है कि यह रकम बैंक खातों और नकद के जरिए कई किस्तों में दी गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी, तो उन्हें लगातार टालमटोल किया गया। उन्होंने दावा किया कि मामले को दबाने के लिए उन्हें दो करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया। हालांकि उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में गौरव कुमार ने अपने आरोपों के समर्थन में कई अहम सबूत पुलिस को सौंपने की बात कही। इनमें व्हाट्सएप चैट, बैंक स्टेटमेंट और ऑडियो रिकॉर्डिंग शामिल हैं, जो कथित लेन-देन और बातचीत को दर्शाते हैं। वहीं पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों की गहनता से जांच की जाएगी, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से जनता को बड़ी राहत, लॉजिस्टिक लागत पर लगेगा अंकुशः खंडेलवाल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क में की गई महत्वपूर्ण कटौती का स्वागत किया है। उन्होंने इसे वैश्विक संकट के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश की जनता के हित में लिया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय आम जनता को राहत देने तथा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर विशेष उत्पाद शुल्क को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य किया जाना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहतकारी कदम है, बल्कि इससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र को भी बड़ी मजबूती मिलेगी। खंडेलवाल ने कहा कि इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव लॉजिस्टिक लागत पर पड़ेगा। इस कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता आने से परिवहन खर्च में वृद्धि पर अंकुश लगेगा, जिससे वस्तुओं की ढुलाई लागत नियंत्रित रहेगी और बाजार में कीमतों के अनावश्यक बढ़ने पर रोक लगेगी। इसका सीधा लाभ देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को मिलेगा, क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें संतुलित बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय संकट के इस दौर में सरकार के सामने यह चुनौती थी कि या तो खुदरा कीमतों में वृद्धि होने दी जाए या फिर स्वयं वित्तीय भार वहन किया जाए। खंडेलवाल ने कहा कि देश का व्यापारिक समुदाय इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस राहत का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे तथा किसी भी प्रकार से आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम देश के आम नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान करेगा तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर और सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

नवप्रशिक्षित कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड समारोह

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अकादमी, झरोड़ा कलां, नई दिल्ली में 100 प्रशिक्षु कांस्टेबलों (बैच संख्या 126) के लिए पासिंग आउट एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इन प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है और अब वे दिल्ली पुलिस बल में अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर उप निदेशक श्री राजबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:

प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण

शैक्षणिक प्रशिक्षणः प्रशिक्षुओं को पुलिस प्रक्रियाओं, आपराधिक कानून, अपराध विज्ञान, साइबर अपराध एवं फॉरेंसिक विज्ञान की शिक्षा दी गई, जिससे वे आवश्यक कानूनी एवं प्रक्रियात्मक ज्ञान से सुसज्जित हो सकें।

शारीरिक प्रशिक्षणः प्रशिक्षुओं ने निहत्था मुकाबला, फायरिंग, आतंकवाद विरोधी उपाय तथा खेल, योग और जिम जैसी शारीरिक फिटनेस गतिविधियों में भाग लिया।

विशेष प्रशिक्षणः दंगा नियंत्रण, आतंकवाद से संबंधित घटनाओं से निपटने, शारीरिक क्षमता एवं सहनशक्ति बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही आपदा प्रतिक्रिया एवं हथियार संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया। कमांडो कोर्स के अंतर्गत प्रशिक्षु कांस्टेबलों को विस्फोटक एवं आईईडी की मूलभूत जानकारी, कमांडो रणनीति, फील्ड क्राफ्ट, रेड एवं एंबुश प्रशिक्षण तथा शहरी हस्तक्षेप प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उपलब्धियाँ ऑल-राउंड बेस्ट ट्रॉफी कांस्टेबल अमित कुमार को प्रदान की गई, जिन्होंने आउटडोर में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला कांस्टेबल मुकेश रानी ने इंडोर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कांस्टेबल रॉकी कुमार कमांडो प्रशिक्षण में प्रथम रहे, जबकि कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह एवं महिला कांस्टेबल ज्योति पुलिस प्रक्रियाओं में प्रथम स्थान पर रहे।

कांस्टेबल रोहन चौधरी, परेड कमांडर, ने बैच की ओर से आरआरयू प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

एडी/प्रशिक्षण का स्वागत संबोधन–श्री ऋच्छपाल सिंह, एडी/डीपीए ने प्रशिक्षुओं को बधाई दी और प्रशिक्षण के दौरान उनमें विकसित अनुशासन, टीमवर्क एवं जनसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षुओं की विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुलिस बल को और मजबूत बनाती है। कुल संख्या में से 15 दिल्ली, 28 हरियाणा, 25 उत्तर प्रदेश, 24 राजस्थान, 05 मध्य प्रदेश तथा 01-01 पंजाब, उत्तराखंड एवं केरल से हैं। उन्होंने पासिंग आउट पुलिस कर्मियों को शपथ भी दिलाई।

मुख्य अतिथि का संबोधन–श्री राजबीर सिंह, उप निदेशक, डीपीए ने प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उन्हें प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान उन्हें कानून-व्यवस्था बनाए रखने में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सहायक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति में प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले होंगे और उन्हें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि उनका आचरण ही पुलिस बल की छवि को परिभाषित करता है। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं के परिजन, डीपीए के अधिकारी तथा Rashtriya Raksha University के प्रतिनिधि डॉ. अभिषेक अवस्थी (सहायक प्रोफेसर) एवं श्री महेंद्र कुमार (प्रशासनिक अधिकारी) भी उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी में पिता-पुत्र गिरफ्तार, 50 एलपीजी सिलेंडर बरामद

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर नकेल कसते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने रोहिणी जिले के कराला-कंझावला इलाके में छापेमारी कर 50 अवैध एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि क्राइम ब्रांच (एनआर-1) की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि सुखबीर नगर, राम विहार इलाके में एलपीजी सिलेंडरों का अवैध भंडारण और रिफिलिंग का काम किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने समन्वित कार्रवाई करते हुए कई ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के

शांति सेवा न्याय

Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

दौरान आरोपित कुंवर पाल (55) और उसका बेटा पंकज पाल (21) मौके पर अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए गए। पुलिस ने मौके से कुल 50 सिलेंडर बरामद किए, जिनमें 29 भरे हुए और 21 खाली सिलेंडर शामिल हैं। इसके अलावा सिलेंडरों की ढुलाई में इस्तेमाल की जा रही एक टाटा ऐस गाड़ी और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा (वजन मापने की मशीन) भी जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि आरोपित कुंवर पाल एक अधिकृत गैस एजेंसी के साथ डिलीवरी मैन के तौर पर जुड़ा हुआ था। वह एजेंसी से सिलेंडर लेकर तय संख्या में ग्राहकों तक पहुंचाने के बजाय उन्हें अपने घर पर ही जमा कर लेता था। इसके बाद अवैध उपकरणों की मदद से भरे सिलेंडरों से गैस निकालकर खाली सिलेंडरों में भरता था और उन्हें खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचता था। इस पूरे खेल में उसका बेटा पंकज पाल भी बराबर का साझेदार था। दोनों मिलकर लंबे समय से इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे थे और भारी मुनाफा कमा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 और बीएनएस की धारा 125 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

फिल्म अभिनेता मोहनलाल के व्यक्तित्व से जुड़े अधिकारों की रक्षा का हाई कोर्ट ने दिया आदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मलयालम फिल्म अभिनेता मोहनलाल के व्यक्तित्व से जुड़े अधिकारों की रक्षा का आदेश दिया है। जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने ये आदेश जारी किया। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म को निर्देश दिया कि वो उन लोगों का विस्तृत विवरण दो हफ्ते में कोर्ट को उपलब्ध कराएं जिन्होंने मोहनलाल के व्यक्तित्व से जुड़े कंटेंट बिना अनुमति के अपलोड किए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने प्रतिवादी बनाए गए ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से पूछा कि उन्होंने मोहनलाल के फोटो और नाम वाली वस्तुओं को बिना मोहनलाल की सहमति के अपलोड करने की अनुमति कैसे दी। तब ई-कॉमर्स प्लेटफार्म ने कहा कि उसने बिना सहमति के अपलोड करने वाली वस्तुओं को हटा दिया है। मोहनलाल उन कई नामी हस्तियों में से एक हैं जिन्होंने व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इसके पहले उच्च न्यायालय भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर, पतंजलि आयुर्वेद

के आचार्य बालकृष्ण, बाबा रामदेव, फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, फिल्म अभिनेत्री काजोल, फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय, फिल्म अभिनेता व आंध्रप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, फिल्म अभिनेता सलमान खान, अभिनेता अजय देवगन, फिल्म अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन, पत्रकार सुधीर चौधरी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर, तेलुगु अभिनेता नागार्जुन, फिल्म अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन और फिल्म प्रोड्यूसर करण जौहर के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया था।

जी7 बैठकः जयशंकर ने 'ग्लोबल साउथ' की ऊर्जा चुनौतियों का मुद्दा उठाया

लोकतंत्र की शान

पेरिस। फ्रांस में आयोजित जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बदलते भू-राजनीतिक हालात का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की बात दोहराई। इसके अलावा डॉ. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के बीच 'ग्लोबल साउथ' के हितों की रक्षा के लिए भी आवाज बुलंद की। उन्होंने आर्थिक तौर पर कमजोर एवं विकासशील देशों के सामने खड़ी ऊर्जा, उर्वरक और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों को प्रमुखता से उठाया। विदेश मंत्री फ्रांस के अपने समकक्ष जीन-नोएल बैरोट के निमंत्रण पर 26-27 मार्च को फ्रांस की राजधानी पेरिस के पास अब्बाये डेस-वॉक्स-डी-सर्ने के दौरे पर हैं। वह जी7 विदेश मंत्रियों की पार्टनर

देशों के साथ होने वाली अहम बैठक में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंचे हैं। उन्होंने इस बैठक से इतर कई देशों के अपने समकक्षों और अन्य प्रतिनिधियों से द्विपक्षीय बैठकें भी की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के उस सत्र को संबोधित किया, जिसमें आमंत्रित साझेदार भी शामिल थे और जिसका विषय वैश्विक शासन में सुधार था। यूएनएससी में सुधार, शांति स्थापना अभियानों को सुव्यवस्थित करने और मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने की तात्कालिकता पर जोर दिया। विशेष रूप से 'ग्लोबल साउथ' की ऊर्जा चुनौतियों, उर्वरक आपूर्ति और

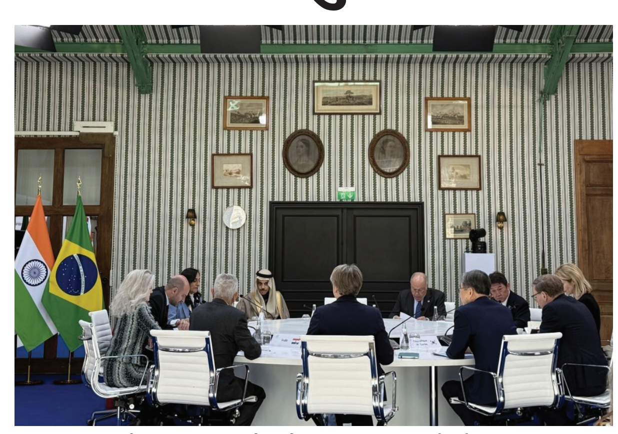

खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उठाया। इसके अलावा जी7 बैठक के दूसरे सत्र में विदेश मंत्री ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) पर भारत के विचार साझा किए। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. जयशंकर ने एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा, जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दूसरे सत्र में आईएमईसी को लेकर विचार साझा किए गए। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्षों से पैदा हुई अनिश्चितताएं, ज़्यादा मजबूत व्यापार गलियारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं की जरूरत को और भी अधिक जरूरी बना देती हैं। इसके साथ ही यूरोपीय संघ, ईएफटीए सदस्यों और ब्रिटेन के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) ने आईएमईसी की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। इस महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी पहल को साकार करने के लिए मिले व्यापक समर्थन और उत्साह की हम सराहना करते हैं। जयशंकर ने बैठक से इतर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ अहम बैठक की। आनंद ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने इस वर्ष की शुरुआत में पीएम कार्नी के भारत दौरे पर आगे बढ़ाई गई साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा जयशंकर ने मेजबान फ्रांस के विदेश मंत्री के साथ विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और शिपिंग सुरक्षा पर चर्चा की। उन्होंने जर्मनी के अपने समकक्ष जोहान वाडेफुल, यूक्रेन के अपने समकक्ष आंद्री सिबिहा और कई अन्य नेताओं से भी मुलाकात की।

जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हर ग्रामीण परिवार को पेयजल के लिए मेघालय का केंद्र से समझौता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय ने केंद्र सरकार के साथ जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इससे राज्य में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को परिणामोन्मुख और सेवा-आधारित ढांचे में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार को पर्याप्त मात्रा और निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराना है। ऐसा समझौता करने वाला मेघालय 12वां राज्य बन गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार एमओयू पर हस्ताक्षर जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्यमंत्री वी. सोम्माना और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की उपस्थिति में किए गए। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्रालय और मेघालय सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जलशक्ति मंत्रालय के सचिव अशोक केके मीणा ने कहा कि यह एमओयू केवल पाइपलाइन बिछाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सतत सेवाओं को प्राथमिकता देता है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को

सशक्त बनाने पर जोर दिया ताकि वे गांव स्तर पर जल आपूर्ति प्रणाली का संचालन और प्रबंधन कर सकें। जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि मेघालय ने जल जीवन मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है और अब तक 83 प्रतिशत कवरेज हासिल किया है। उन्होंने राज्य सरकार से शेष कार्य शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार मिशन की समयसीमा दिसंबर 2028 तक बढ़ाई गई है और इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। मिशन के तहत गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि मेघालय, जो कभी ग्रामीण नल जल कवरेज में सबसे पीछे था, अब 83.59 प्रतिशत कवरेज हासिल कर चुका है। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय प्रधानमंत्री और जल शक्ति मंत्रालय के मार्गदर्शन को दिया। संगमा ने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति की मात्रा, गुणवत्ता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य ने 2019 में ही एक व्यापक जल नीति अपनाई थी और जलवायु परिषद का गठन किया था, जिसके तहत विभिन्न विभाग मिलकर जल संरक्षण और जागरूकता पर काम कर रहे हैं।

अंडमान-निकोबार में बढ़ते खारे पानी के मगरमच्छों के संकट पर लोकसभा में राजीव प्रताप रूडी ने उठाया मुद्दा

लोकतंत्र की शान

- लोकसभा में नियम 377 के तहत अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बढ़ते खारे पानी के मगरमच्छों के खतरे का मुद्दा उठाया
- सुनामी के बाद लगभग 3730 हेक्टेयर भूमि प्रभावित होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा
- मगरमच्छों की संख्या व आकार में असामान्य वृद्धि, मानव सुरक्षा पर बढ़ता खतरा
- पर्यटन गतिविधियों और मानवीय हस्तक्षेप को भी समस्या का कारण बताया
- केंद्र सरकार से ठोस "क्रोकोडाइल मैनेजमेंट" एवं कंजर्वेशन प्लान लागू करने की मांग

नई दिल्ली। सारण सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने आज लोकसभा में नियम 377 के तहत अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बढ़ते खारे पानी के मगरमच्छों (सॉल्ट वॉटर क्रोकोडाइल) के गंभीर होते खतरे का मुद्दा उठाया। सांसद रूडी ने कहा कि सुनामी के बाद अंडमान-निकोबार के बड़े भू-भाग, लगभग 3730 हेक्टेयर क्षेत्र के प्रभावित होने से वहां के पारिस्थितिक संतुलन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या और आकार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे मानव जीवन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि वर्तमान में इन मगरमच्छों का आकार असामान्य रूप से बड़ा होता जा रहा है और उनके व्यवहार में भी आक्रामकता बढ़ी है। पर्यटन के बढ़ते दबाव, जहां हर वर्ष लाखों पर्यटक अंडमान-निकोबार पहुंचते हैं और होटलों व मानव गतिविधियों द्वारा खुले में भोजन फेंके जाने जैसी प्रवृत्तियों ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। सांसद रूडी

ने कहा कि स्थिति अब ऐसी हो गई है कि मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। मगरमच्छ संरक्षित श्रेणी (शेड्यूल-1) में होने के कारण उनके प्रबंधन में भी कानूनी जटिलताएं हैं, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है। उन्होंने केंद्र सरकार, विशेषकर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से आग्रह किया कि इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी "क्रोकोडाइल मैनेजमेंट प्लान" तथा कंजर्वेशन नीति को शीघ्र लागू किया जाए, ताकि मानव जीवन की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। सांसद रूडी ने देशभर के पर्यावरण विशेषज्ञों और संबंधित संस्थाओं से भी इस दिशा में ठोस पहल करने का आह्वान किया, जिससे इस उभरते संकट का समय रहते समाधान किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

रामनवमी पर निकली शोभायात्रा व कलश यात्रा का विधायक ने किया फीता काट कर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः शुक्रवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र के कस्बा ढबारसी में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा एवं कलश यात्रा का हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने फीता काटकर शुभारंभ किया, इस अवसर पर आयोजक मंडल द्वारा विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी का फूलमाला पहनकर भव्य स्वागत किया गया, वहीं उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए विधायक महेंद्र सिंह खड़गबंशी ने कहा कि भगवान श्री राम के चरित्र को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए और हमें हमेशा परोपकार करते रहना चाहिए वहीं उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का भी बखान किया, इस अवसर पर आदमपुर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, उझारी मंडल अध्यक्ष कल्याण सिंह सैनी,निवर्तमान मंडल अध्यक्ष हेमराज सैनी,निवर्तमान मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रधान संघ अध्यक्ष यशपाल प्रधान, चीन मिल डायरेक्टर देवकीनंदन पाल, अमित कुमार, संजय सागर, अंकित सागर, सोनू भाटी, अंकुर सिंह, शशांक त्यागी, मनोज शर्मा, करमवीर जाटव, शिवयंत त्यागी, कपिल सिंह, टेकचंद राणा, अमन गोयल एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आज भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि द्वारा जेवर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को सौपा जाएगा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहा /हसनपुरः बता ते चले कि आज भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के अमरोहा जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी के नेतृत्व में नोएडा स्थित जेवर एयरपोर्ट पर जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को किसानो की समस्या से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसको लेकर भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के अमरोहा जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने समस्त कार्यकर्ताओं से सुबह 9 बजे हसनपुर कोतवाली के अंतर्गत ग्राम काला खेड़ा से जेवर एयरपोर्ट पहुंचने की अपील की है, बता ते चले कि जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर नामक स्थान पर स्थित है जिसका शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भव्य उद्घाटन करेंगे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे जिसके चलते भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, वहीं इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने बताया कि किसानो की विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष गुड्डू गुर्जर के आवाहन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, इसके लिए सभी कार्यकर्ता सुबह 9 बजे उनके ग्राम कालखेड़ा स्थित कैंप कार्यालय से प्रस्थान करेंगे।

सीतापुरः युवती की धारदार हथियार से की गई थी निर्मम हत्या

» दो सगे भाइयों ने ही की थी आनर किलिंग शव को संदना थाना अंतर्गत फेका था
» पुलिस ने किया खुलासा और किया गिरफ्तार
» नहर किनारे मिला था लहूलुहान शव

सीतापुर (उत्तर प्रदेश)ः मछरेहटा थाना क्षेत्र के सतनपुर गांव की रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती, मोनिका की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी । युवती का शव संदना इलाके में एक नहर के पास खून से लथपथ हालत में मिला था , जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी मोनिका, जो दिल्ली में नौकरी करती थी, कुछ दिन पहले ही अपने गांव सतनपुर लौटी थी। वह घर से अचानक लापता हो गई थी और बाद में उसका शव नहर के पास बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (SP) अंकुर अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर जांच का जायजा लिया था फॉरेंसिक टीम और SOG की टीम साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है मृतका के सिर और शरीर पर गहरे जख्म पाए गए हैं। पुलिस को शक था कि यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो सकता है, क्योंकि चर्चा है कि परिवार मोनिका के संबंधों से खुश नहीं था हिरासत में लिए गए थे परिजनः पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवार के कुछ करीबी सदस्यों को हिरासत में लिया था जिनसे पूछताछ मे प्रेमी की भूमिका पाई गई पहले लोगो ने बताया था की खबर है कि मोनिका का भाई भी फिलहाल लापता है, जिसकी तलाश की जा रही है।

समाजवादी पुरोधा बेनी प्रसाद वर्मा को याद किया गया

बाराबंकी : समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय बेनी प्रसाद वर्मा "बाबूजी" की आज छठवीं पुण्यतिथि पर मोहनलाल डिग्री कॉलेज स्थित बाबूजी की समाधि स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में बाबूजी की समाधि पर समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, गोंडा सांसद प्रतियाशी श्रेया वर्मा,पूर्व एम एल सी राजेश यादव, अध्यक्ष प्रतिनिधि बेलहरा नगर पंचयत अयाज़ खान अज्जू ने पुष्पांजलि एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया गया अध्यक्ष प्रतिनिधि अयाज़ खान ने कहा की बाबूजी का जीवन समाजसेवा मे ही लगा रहा है बाबूजी ने लोगो की गरीबो की मदद मे और पी डी ए के उतथान के लिए ही काम किया हम सब उन्हें हर मौके पर याद कर उन्हें खीराजे अक़ीदत पेश की

करोड़ों के स्टेडियम की दीवार बारिश में गिरी, निर्माण कार्य पर उठे सवाल

नियामतपुर में निर्माणाधीन स्टेडियम की दीवार भरभराकर गिरी, ग्रामीणों ने गुणवत्ता पर लगाए आरोप

लोकतंत्र की शान , खिज़र अहमद

नजीबाबादः तहसील क्षेत्र के ग्राम नियामतपुर में क्षेत्र पंचायत निधि से बन रहे करोड़ों रुपये के स्टेडियम का निर्माण कार्य सवालों के घेरे में आ गया है। हल्की बारिश के बाद स्टेडियम की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि गनीमत यह रही कि घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद स्थानीय लोगों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्टेडियम के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। दीवार गिरने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में नजीबाबाद ब्लॉक परिसर स्थित चौधरी चरण सिंह सभागार में आयोजित बैठक में इस स्टेडियम का नामकरण शहीद भगत सिंह के नाम पर करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। लेकिन नामकरण के कुछ ही दिनों बाद निर्माणाधीन दीवार का गिरना कई सवाल खड़े कर रहा है। मामले में ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि हाल की बारिश के चलते पास स्थित तालाब का पानी मिट्टी में समा गया, जिससे दबाव बढ़ने के कारण दीवार गिर गई। उन्होंने यह भी कहा कि अभी ठेकेदार का भुगतान नहीं किया गया है और कार्य पूर्ण होने के बाद ही भुगतान किया जाएगा। साथ ही ठेकेदार को दीवार दोबारा बनाने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल, इस घटना ने निर्माण कार्यों की निगरानी और गुणवत्ता को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एलपीजी का बढ़ा संकटः केरोसिन युग वापसी की राह पर सीतापुर

राशन दुकानों के माध्यम से मिट्टी तेल बांटने पर हो रहा विचार

लोकतंत्र की शान

सीतापुर (महमूदाबाद)ः ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में जारी भीषण बमबारी और मिसाइल हमलों के बीच भारत सहित दुनिया के सभी देशों में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में भारी इजाफा हुआ है। रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा हुआ है। एलपीजी के विकल्प के तौर पर अब जिले में अस्थायी रूप से 'मिट्टी तेल युग' की वापसी होने जा रही है। शासन के निर्देश पर प्रशासन ने सीतापुर जिले में बंद हो चुके केरोसिन डिपो के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। जिले में ज्यादातर केरोसिन डिपो पहले ही उखाड़े जा चुके हैं, अब केवल महोली और मिश्रिख में ही केरोसिन डिपो बचे हैं।

विभाग के लिए चुनौती होगा केरोसिन वितरण-पहले सरकारी राशन की दुकानों पर केरोसिन मिलता था, लेकिन समय के साथ बदलाव हुआ और बिजली गांवों तक पहुँची। सरकार ने धीरे-धीरे मिट्टी तेल की सप्लाई बंद कर दी, जिससे यह पूरी व्यवस्था समाप्त हो गई। अब इस इंफ्रास्ट्रक्चर को दोबारा खड़ा करना विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। वहीं उपभोक्ताओं का कहना है कि एलपीजी सिलेंडर नहीं मिलने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यदि सरकार मिट्टी तेल उपलब्ध कराती है, तो उपभोक्ताओं को मिट्टी तेल से चलने वाले स्टोव भी खरीदने पड़ेंगे।

नजीबाबाद में फिर प्रेम प्रसंग बना जानलेवा युवक ने उठाया खौफनाक कदम

» पूर्व में भी सामने आ चुकी हैं ऐसी घटनाएं, लगातार बढ़ते मामलों से क्षेत्र में चिंता का माहौल
» परिवार का नगर की एक युवती और युवक पर आरोप

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबादः क्षेत्र के मोहल्ला मुगलुशाह में मंगलवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 19 वर्षीय युवक समीर ने कथित तौर पर प्रेम प्रसंग के चलते आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6 बजे आसपास के लोगों को घर के अंदर संदिग्ध स्थिति का आभास हुआ। शक होने पर लोगों ने खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां समीर मृत अवस्था में मिला। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, समीर का इकरा नाम की युवती के साथ प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि घटना से पहले समीर ने अपनी मां से बातचीत की थी, जिसके बाद उसकी युवती से भी बात हुई। आरोप है कि युवती द्वारा प्रेम और शादी से इंकार करने के बाद वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गया और उसने यह कदम उठा लिया। परिवार ने युवती इकरा और उसके साथी शाद पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

बताया गया है कि समीर गुजरात के सूरत में रहकर सैलून का काम करता था और अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। वह परिवार में सबसे बड़ा था और उसके ऊपर दो छोटे भाई और एक बहन की जिम्मेदारी थी। उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जाएगी।

कन्या पूजन अनुष्ठानः मुख्यमंत्री ने की मातृशक्ति की आराधना

» वासंतिक नवरात्रि की नवमी तिथि पर नौ दुर्गा स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे सीएम योगी ने
» कन्या पूजन अनुष्ठान में अपने हाथों से भोजन परोसा मुख्यमंत्री ने, दक्षिणा व उपहार देकर कन्याओं से लिया आशीर्वाद

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मातृशक्ति के प्रति असीम श्रद्धाभाव से उनकी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने वाले मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक (चैत्र) नवरात्रि की नवमी तिथि पर शुक्रवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में सीएम योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढ़ाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा, उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले कन्याओं के पांव पखारे। उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। दुर्वा से उनका अभिषेक किया, माला पहनाई। चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा-उपहार प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने अन्न क्षेत्र में सभी कन्याओं व बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से परोसा। आयोजन में आईं सभी कन्याओं को पूजनोपरांत चुनरी, दक्षिणा और उपहार दिए गए। कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी कन्या या बटुक की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे। कन्या पूजन अनुष्ठान के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ सहित कई संत व मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कन्या पूजन से पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना हुई।

5 स्तरीय सुरक्षा घेरे में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट हाईटेक निगरानी से चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा

लोकतंत्र की शान

नोएडा/जेवर : नवनिर्मित जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह और प्रस्तावित जनसभा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था लागू की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को 5-स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक, खुफिया समन्वय और व्यापक पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप यह पूरी व्यवस्था पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में संचालित की जा रही है।

5-स्तरीय सुरक्षा घेरा, एसपीजी के साथ समन्वय-नोएडा के जॉइंट सीपी राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे क्षेत्र में मल्टी लेयर सिक्योरिटी आर्किटेक्चर के तहत 5 सुरक्षा रिंग बनाईं गईं। एसपीजी के साथ निरंतर समन्वय रखते हुए सभी एंट्री प्वाइंट्स पर सघन चेकिंग, बैगेज स्क्रीनिंग और पहचान सत्यापन किया जा रहा है। 100 से अधिक प्रवेश द्वारों पर 200 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाए गए, जबकि महिलाओं के लिए अलग चेकिंग एन्क्लोजर की व्यवस्था की गई।

5000 से अधिक सुरक्षाकर्मी, कई एजेंसियों की तैनाती-सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के करीब 5000 राजपत्रित और अराजपत्रित अधिकारियों की तैनाती की गई। इसके अलावा पीएसी, आरएएफ, एटीएस और सीआईएसएफ की संयुक्त तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया। एयरपोर्ट परिसर और आसपास पहले से स्थापित पुलिस चौकियों पर भी अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

एंटी-ड्रोन, बीडीडीएस और स्निफर डॉग से निगरानी-कार्यक्रम स्थल पर एंटी-सैबोटाज चेक, बीडीडीएस (बम डिस्पोजल स्क्वाड), एंटी-माइंस चेकिंग और स्निफर डॉग्स की तैनाती की गई।

एंटी-ड्रोन टीमों द्वारा आसमान से निगरानी रखी गई, जबकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के लिए क्विक रिएक्शन टीम्स को रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया।

इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया पर कड़ी नजर-आईबी और स्टेट इंटेलिजेंस यूनिट्स के साथ रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन स्थापित किया गया है। नोएडा के जॉइंट सीपी राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए अफवाहों और संभावित खतरों को लेकर नजर रखी गई, जिससे किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

सीसीटीवी कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क की व्यवस्था-पूरे कार्यक्रम स्थल और एयरपोर्ट परिसर में सीसीटीवी निगरानी के लिए विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। साथ ही आमजन की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिस हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं, जिससे लोगों को त्वरित सहायता मिल सके।

नामित सभासद का राजीव गुप्ता ने किया अपने प्रतिष्ठान पर स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बता ते चले कि गुरुवार को शिक्षक एवं समाजसेवी व व्यापारी राजीव गुप्ता ने अपने प्रतिष्ठान वी.आर.जी ज्वेलर्स एंड प्रॉपर्टी डीलर निकट दलपत साइकिल वालों के पास मेंन बाजार में हसनपुर नगर पालिका परिषद में हाल ही में नामित हुए सभासद पंकज भटनागर का फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया तथा ईश्वर से उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनसे नगर पालिका परिषद में हसनपुर की जनता की कठिनाइयों को सुनने और उनको दूर कराने का अनुरोध किया, वही इस संबंध में नामित सभासद पंकज भटनागर ने विश्वास दिलाया कि वह हसनपुर के विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे तथा नगर पालिका में जनता की आवाज को उठाएंगे और लोगों की समस्या का निवारण कराने का पूरा प्रयत्न करेंगे, इस मौके पर मुख्य रूप से राजीव गुप्ता, संजय गुप्ता, सौरभ गुप्ता, मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, पवन चौहान, मधुसूदन शर्मा, प्रशांत शर्मा, लोकेश अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, हर्ष गुप्ता, अमित गुप्ता, सुधीर कुमार, नमन अग्रवाल, प्रवीन शर्मा, अमन वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

बाराबंकीः संदिग्ध परिस्थितियों में गेहूं के खेत में मिला 11 वर्षीय बालिका का शव, हत्या की आशंका

लोक तंत्र की शान

बेलहरा (बाराबंकी)ः उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक 11 वर्षीय बालिका का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गेहूं के खेत में पड़ा मिला। मृतका के गले पर खरोंच और चोट के निशान मिलने से परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है जानकारी के अनुसार, छेदा चौकी क्षेत्र के बसारी गांव के निवासी रामेंद्र कुमार उर्फ रामू मौर्य की पुत्री अनुष्का मौर्य (11), जो प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन की छात्रा थी, गुरुवार दोपहर अपने पिता के साथ खेत गई थी। वहां मेंथा की रोपाई का काम चल रहा था।

दोपहर का घटनाक्रमः दोपहर में काम खत्म होने के बाद मजदूर और उसके पिता घर लौट आए, लेकिन अनुष्का खेत में ही रुक गई।

शव की बरामदगीः जब पिता दोबारा खेत पर पहुंचे तो अनुष्का गायब थी। काफी तलाश के बाद शाम करीब 4 बजे पास के ही 'जगदीश' नामक व्यक्ति के गेहूं के खेत में उसका शव बरामद हुआ।

पुलिस की कार्रवाई- घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुँचा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (SP) अर्पित विजयवर्गीय, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

जांच के बिंदुः बालिका के गले पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे मामला गला दबाकर हत्या की ओर इशारा कर रहा है।

वर्तमान स्थितिः पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि वे हत्या समेत सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रहे हैं।

नोटः इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस जल्द ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले का खुलासा करने की बात कह रही है।

त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर का पेराई सत्र रविवार को हो रहा है समाप्त, अवशेष गन्ना जल्द पहुंचाएं किसान भाई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /चंदनपुरः बताते चलें कि क्षेत्र की अग्रणी चीनी मिल त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर का पेराई सत्र 29 मार्च 2026 को समाप्त हो जाएगा, जिसके लिए किसान भाइयों से अवशेष गन्ने की आपूर्ति जल्द से जल्द किये जाने की अपील मिल प्रबंधन द्वारा की गई है, बताते चलें की त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर की पेराई क्षमता 70000 कुंतल प्रतिदिन की है, जिसके सापेक्ष चीनी मिल को प्रतिदिन 10 /15 हजार कुंतल ही गन्ना उपलब्ध हो पा रहा है, वर्तमान में मात्र 21 क्रय केंद्र संचालित हो रहे हैं, मिल गेट एवं सभी क्रय केंद्र पर प्रतिबंदिथ खुली खरीद की जा रही है अतः त्रिवेणी चीनी मिल के वर्तमान पेराई सत्र 2025 /26 के लिए किसानों का समस्त आपूर्ति योग्य करना खरीद कर दिनांक 29 3.26 को गन्ना पेराई करके अंतिम रूप से बंद हो जाएगा, इसलिए जिन किसान भाइयों के पास आपूर्ति योग्य अवशेष गन्ना बचा है वह 29 /3/26 को शाम 7 बजे तक आपूर्ति कर दे, वही चीनी मिल द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय बंदी की सूचना विभाग को भेजी जा चुकी है तथा मिलबंदी के संबंध में चीनी मिल क्षेत्र में सभी किसानों को प्रचार प्रसार कर सूचित किया जा रहा है, वहीं चीनी मिल का पेराई सत्र 1/11/2025 को आरंभ हुआ था तथा चीनी मिल ने गत पेराई सत्र 2024/ 25 में 84.76 लाख कुंतल गन्ना पेराई की थी लेकिन वर्तमान पेराई सत्र 2025/ 26 में गन्ने में रोग, बाढ़ आदि के कारण एवं गन्ने की कमी के चलते 82.98 लाख कुंतल ही गन्ना पेराई कर पाई है, इस संबंध में चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) अमोद कुमार शर्मा द्वारा बताया गया की 16/ 3/ 2026 तक खरीदे गए समस्त गन्ने का भुगतान किसान भाइयों के खाते में भेज दिया गया है तथा अवशेष बाकी बचा भुगतान भी मिल बंदी के उपरांत समय से भेज दिया जाएगा, साथ ही श्री शर्मा ने किसान भाइयों से अपील की है कि वर्तमान में चल रही बसंतकालीन गन्ना बुवाई में असवीकृत एवं नकली 118. गन्ना प्रजाति की बुवाई कदापी ना करें तथा चीनी मिल द्वारा बताई जा रही स्वीकृत प्रजाति को. 118, को. 98014, को. 15023 एवं को.जा. 85, को. जा. 88. की बुवाई 4 से 5 फीट की दूरी पर करें साथ ही बीज शोधन एवं जमींन शोधन भी अवश्य करें तथा किसान भाई अवशेष गन्ने को समय रहते मिल में पहुंचा दे यह चीनी मिल के उपाध्यक्ष अमोद कुमार शर्मा द्वारा किसान भाइयों से अपील की गई है।

संक्षिप्त समाचार

गंगा में डूबीं दो चचेरी बहनें, एक का शव मिला, दूसरी की तलाश जारी, रामनवमी पर हुआ हादसा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर के राघोपुर थाना क्षेत्र में रामनवमी के अवसर पर गंगा नदी में स्नान के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। स्नान के दौरान दो चचेरी बहनें गहरे पानी में डूब गईं, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दूसरी अब भी लापता है। घटना राघोपुर पश्चिमी पंचायत के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चियां अपने परिवार के साथ रामनवमी के मौके पर गंगा नदी में स्नान करने गई थीं। इसी दौरान वे अनजाने में गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। मृतका की पहचान राघोपुर पश्चिमी निवासी सुरेंद्र सिंह की 13 वर्षीय पुत्री सत्तो कुमारी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की मदद से उसका शव नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। दूसरी बच्ची रणजीत सिंह की 14 वर्षीय पुत्री रीना कुमारी है, जो घटना के बाद से लापता है। स्थानीय लोग और प्रशासन उसकी तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। मौके पर मौजूद लोगों ने बच्चियों को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन गहरे पानी और तेज धारा के कारण वे सफल नहीं हो सके। देखते ही देखते दोनों बच्चियां पानी में समा गईं। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया चंदन सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद दोनों बच्चियों के परिवारों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। रामनवमी जैसे पावन पर्व पर हुए इस हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी में स्नान करते समय सावधानी बरतें और गहरे पानी में जाने से बचें। फिलहाल लापता बच्ची की तलाश जारी है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

15 साल होते ही सीनियर टीम में डेब्यू का इंतजार खत्म, आईपीएल से लेकर टी-20 में मचाएंगे तहलका

लोकतंत्र की शान : पटना। आज भारतीय क्रिकेटर और बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी का जन्मदिन है। 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी अब 15 साल के हो गए हैं। इसके साथ ही टीम इंडिया में एंट्री के लिए अब खुल उनका रास्ता खुल गया है। अब वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह एलिजिबल हो चुके हैं। आईपीएल में उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो शेयर की है, जिसमें टीम के खिलाड़ी उन्हें जन्मदिन मनाने के लिए बुला रहे हैं। इस बार वैभव IPL में खेलते हुए दिखेंगे। बीते दिनों जब IPL को लेकर एक रिपोर्टर ने वैभव से पूछा था कि आईपीएल 2026 में आपका लक्ष्य क्या है, कितना रन बनाना चाहते हैं और क्या औरेंज कैप जीतना चाहते हैं? इसके जवाब में वैभव ने कहा, 'ऐसे सवाल पूछेंगे तो मैं दो-तीन हजार रन बोल दूंगा।' वैभव का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंसने लगे। वैभव पिछले साल ही राजस्थान टीम के साथ जुड़े थे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। वे पिछले सीजन में दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने थे। इसके साथ ही वे सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने थे। अब एक बार फिर से राजस्थान को वैभव से काफी उम्मीदें हैं। बीसीसीआई ने नमन अवॉर्ड्स में वैभव ने अपने गोल के बारे में भी बताते हुए कहा कि यही कोशिश है कि अपनी टीम के लिए ट्रॉफी जीतूं। अगर मैं टीम के लिए ट्रॉफी जीतूंगा तो मेरी फ्रेंचाइजी को फायदा होगा और मेरा भी परफॉर्मेंस निखरेगा।

तेजस्वी यादव की बेटी कात्यायनी 3 साल की हुई, राबड़ी आवास के बाहर समर्थकों ने लगाए पोस्टर

लोकतंत्र की शान : पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की बेटी कात्यायनी आज तीन साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर पटना स्थित राबड़ी आवास के बाहर एक बड़ा और आकर्षक पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर में तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री यादव और उनके दोनों बच्चे कात्यायनी और इराज नजर आ रहे हैं। साथ ही कात्यायनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई हैं। यह पोस्टर राहगीरों और समर्थकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। बता दें कि पिछले साल कात्यायनी का जन्मदिन लालू परिवार ने काफी भव्य तरीके से मनाया था। उस दौरान पूरा परिवार कोलकाता गया था, जहां शानदार अंदाज में बर्थडे सेलिब्रेशन हुआ था। परिवार के सदस्यों ने इस खास दिन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तेजस्वी यादव अक्सर अपनी बेटी के साथ बिताए पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। वे कात्यायनी के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं, जिन्हें लोग खूब पसंद करते हैं। इसके अलावा वे बेटी के साथ रील्स बनाकर भी शेयर करते हैं, जिनमें उनका पारिवारिक जुड़ाव साफ नजर आता है। तेजस्वी यादव 28 मार्च 2023 को पहली बार पिता बने थे। उस समय लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी अपनी पोती को देखने अस्पताल पहुंचे थे। लालू यादव ने पोती को गोद में लेने की तस्वीरें भी साझा की थीं। कात्यायनी का जन्म चैती नवरात्र के छठे दिन हुआ था, जिसे मां कात्यायनी की पूजा का दिन माना जाता है। इसी कारण उनका नाम कात्यायनी रखा गया।

अष्टयाम यज्ञ और कलश यात्रा संपन्न, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के देसरी प्रखंड स्थित खड़कपुर गांव के पासवान टोला में बाबा वीर चौहरमल की प्रतिमा स्थापना को लेकर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। इस अवसर पर शनिवार को अखंड अष्टयाम यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लेकर पूरे वातावरण को आस्थामय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश शोभायात्रा से हुई। यह यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में सजे-धजे कलश लिए हुए थे और 'बोल बाबा वीर चौहरमल की जय' के जयकारे लगाते हुए यज्ञ स्थल तक पहुंचे। शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों और भजनों की ध्वनि से पूरा गांव गूंज उठा। अष्टयाम यज्ञ के मुख्य यजमान के रूप में लाला पासवान सहित गांव के कई गणमान्य लोग शामिल हुए। यज्ञ मंडप को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने मंडप की परिक्रमा कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। आयोजकों ने बताया कि अखंड अष्टयाम यज्ञ की समाप्ति के बाद विधिवत रूप से बाबा वीर चौहरमल की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यज्ञ में शामिल एक श्रद्धालु ने बताया कि बाबा वीर चौहरमल क्षेत्र के लोगों की आस्था के केंद्र हैं, इस प्रतिमा स्थापना से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और बताया कि इस धार्मिक आयोजन में सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ में शामिल होने के लिए पहुंचे। पूरे इलाके में आयोजन को लेकर उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिल रहा है। आयोजकों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है, जिसे लेकर सुरक्षा एवं व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

डाक बंगला चौराहा पहुंचेगी 52 झांकियां, 1500 जवान तैनात

❒ मुख्यमंत्री नीतीश, बेटे निशांत और सम्राट चौधरी पहुंचे, 5-7 लाख श्रद्धालु होंगे शामिल

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में 52 शोभायात्रा डाक बंगला चौराहा होकर गुजरेगी। डाकबंगला को इस बार भव्य तरीके से सजाया गया है। शोभायात्रा के स्वागत के लिए मंच सजकर तैयार हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बेटे निशांत और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित तमाम अतिथि डाकबंगला चौराहा पहुंचेंगे। पूरा इलाका एलईडी लाइट्स, लेजर इफेक्ट और डिजिटल मैपिंग से रोशन है। आसपास की इमारतों पर डिजिटल मैपिंग के जरिए भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार बतौर शोभायात्रा संयोजक इस आयोजन का नेतृत्व कर रहे हैं। वे दो दिन पहले ही पटना पहुंचकर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, डाक बंगला चौराहा और महावीर मंदिर के आसपास 5 से 7 लाख श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और श्रद्धालु इस आयोजन में भाग ले रहे हैं।

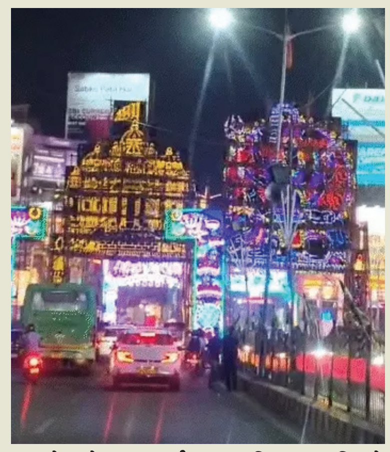

ड्रोन से पुष्प वर्षा, सांस्कृतिक झलकियों से सजेगी शोभायात्राः इस बार शोभायात्रा में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम दिखेगा। ड्रोन के माध्यम से मुख्य मंच और शोभायात्रा पर गुलाब और गेंदे के फूलों की वर्षा की जाएगी। पटना के खाजपुरा, बोरिंग रोड, कंकड़बाग और चौक से 52 शोभायात्राएं निकलकर डाक बंगला चौराहा पहुंचेंगी। झांकियों में अयोध्या के साधु-संत, दक्षिण भारत के वाद्य यंत्र वादक, बनारस का डमरू दल, गंगा आरती टीम, मुंबई के प्रसिद्ध बैंड और झारखंड के नृत्य दल शामिल होंगे और अपनी प्रस्तुति देंगे। यह विविधता ही इस आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान कर रही है।

20-25 फीट ऊंची प्रतिमाएं बनीं आकर्षण : चौराहे के मुख्य स्थल पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव और वीर हनुमान की 20-25 फीट ऊंची विशाल प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। फाइबर और मिट्टी से बनी ये मूर्तियां बेहद सजीव और आकर्षक हैं। पहली बार इतने भव्य स्तर पर प्रतिमाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

शोभायात्राओं का होगा सम्मानः हर वर्ष की तरह इस बार भी नितिन नवीन और अन्य अतिथि विभिन्न अखाड़ों और झांकियों के संचालकों को 'पाग' (पगड़ी) और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करेंगे। प्रसिद्ध अभिनेता एवं सांसद अरुण गोविल (रामायण में भगवान राम की भूमिका) और भोजपुरी के लोकप्रिय कलाकार एवं सांसद मनोज तिवारी की उपस्थिति आयोजन को विशेष बनाएगी।

ट्रेन रवाना होने से 30 मिनट पहले तक बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे यात्री

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब यात्री ट्रेन खुलने से 30 मिनट पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे। यह नई व्यवस्था अप्रैल महीने से चरणबद्ध तरीके से लागू होने की संभावना है। अब तक यात्रियों को ट्रेन के निर्धारित समय से काफी पहले, यानी लगभग 48 घंटे पहले ही बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव करना होता था। लेकिन नई व्यवस्था के लागू होने के बाद यह समयसीमा काफी कम कर दी जाएगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी।

किसी भी स्टेशन से चढ़ सकेंगे यात्री–नई सुविधा के तहत यात्री अपने टिकट को अपडेट कर किसी भी नजदीकी स्टेशन से ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इससे उन यात्रियों को खास राहत मिलेगी, जिनकी यात्रा योजनाओं में अचानक बदलाव हो जाता है।

डिजिटल प्रक्रिया से आसान होगा बदलाव–रेलवे इस प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से आसान बनाने की तैयारी कर रहा है। यात्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने बोर्डिंग स्टेशन में बदलाव कर सकेंगे, जिससे समय और परेशानी दोनों की बचत होगी।

यात्रियों को मिलेगा अधिक लचीलापन–

इस नई व्यवस्था से यात्रियों को यात्रा के दौरान अधिक लचीलापन मिलेगा। वे अपनी सुविधा के अनुसार बोर्डिंग स्टेशन का चयन कर सकेंगे, जिससे यात्रा अनुभव और बेहतर होगा।

जल्द लागू होगी नई सुविधा–रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस सुविधा को जल्द ही लागू किया जाएगा और इसके लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

एलपीजी गैस सिलेंडर वितरण में अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई, जिला प्रशासन सतर्क

लोकतंत्र की शान

सहरसा,मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी गैस सिलेंडर वितरण की वर्तमान क्रियान्वयन स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है। इस दौरान वितरण व्यवस्था में परिलक्षित अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसियों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग या अवैध भंडारण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों के संज्ञान में आते ही कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है तथा आगे भी की जाती रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा नियमित निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गैस सिलेंडरों का वितरण पारदर्शी एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप हो। साथ ही, संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वितरण प्रणाली पर सतत निगरानी बनाए रखें और किसी भी प्रकार की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करें। सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे धैर्य बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कहीं भी गैस वितरण में गड़बड़ी, कालाबाजारी या अनियमितता की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। जिला प्रशासन यह भी आश्वस्त करता है कि एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था को सुचारू, पारदर्शी एवं उपभोक्ता हित में बनाए रखने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

जिला स्थापना दिवस पर प्रेक्षा गृह में होगा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिला स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि आगामी 01 अप्रैल 2026 को जिला स्थापना दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत जिला शिक्षा कार्यालय के सौजन्य से प्रातः 7 बजे (प्रस्तावित) छात्र-छात्राओं के नेतृत्व में प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जो शहर में जागरूकता और उत्सव का माहौल बनाएगी। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार स्थानीय प्रेक्षा गृह में सायं 6 बजे से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा गायन, लोकगीत एवं नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। जिला स्थापना दिवस को लेकर समाहरणालय को विशेष रूप से सजाया जाएगा और पारंपरिक कार्यक्रमों में सभी पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत, वरीय उप समाहर्ता श्री राजू कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री हेमचंद्र, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा कुमारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

30 मार्च को एमएलसी पद से इस्तीफा देंगे नीतीश जदयू ऑफिस में निशांत की नेताओं के साथ बैठक

लोकतंत्र की शान , पटना

JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार 30 मार्च को MLC पद से इस्तीफा देंगे। इधर, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी बयान सामने आया। उन्होंने कहा, संविधान के अनुसार कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी 6 महीने तक बिहार का CM रह सकता है। इधर, मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार ने JDU ऑफिस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। जानिए बिहार के पॉलिटिकल अपडेट्स...

संजय झा बोले- 30 मार्च को इस्तीफा देंगे नीतीशः JDU ऑफिस पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, नीतीस 30 मार्च को MLC पद से इस्तीफा देंगे। ये एक सामान्य प्रक्रिया है और 14 दिनों के भीतर इस्तीफा देना होता है। दरअसल, नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं, जिसके बाद उन्हें विधान परिषद की सदस्यता छोड़ना अनिवार्य हो गया है। नीतीश कुमार को केवल विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देना जरूरी है, मुख्यमंत्री पद से नहीं। वे चाहें तो अगले छह महीने तक मुख्यमंत्री पद पर बने रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि 29 मार्च तक बिहार विधानसभा और विधान परिषद की छुट्टी है, ऐसे में 30 मार्च को उनके इस्तीफे की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। वहीं, नीतीश कुमार जारी रखेंगे।

❒ स्पीकर बोले- 6 महीने तक सीएम रह सकते हैं

स्पीकर बोले- 6 महीने CM रह सकते हैं नीतीशः विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा, संविधान के तहत कोई भी माननीय सदस्य निर्वाचन के 14 दिनों के भीतर इस्तीफा देना होता है। नीतीश कुमार निर्वाचित हो गए हैं और नितिन नवीन को भी 30 मार्च तक इस्तीफा देना पड़ेगा। संविधान के अनुसार कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी 6 महीने तक बिहार का CM रह सकता है।

JDU ऑफिस में निशांत ने की मीटिंगः निशांत कुमार आज पार्टी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने नेताओं के साथ बैठक की। निशांत ने कहा, आज जेडीयू ऑफिस आया हूं। जिला अध्यक्षों के साथ आज मैं बैठक की। पिताजी की नीतियों को कैसे जन जन तक पहुंचाया जाए। संगठन को कैसे और मजबूत किया जाए। इसपर चर्चा हुई है।

रामनवमी पर पटना के जल्ला हनुमान मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना सिटी के जल्ला हनुमान मंदिर में रामनवमी के अवसर पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। मंदिर के कपाट शुक्रवार सुबह 4 बजे खोल दिए गए, ताकि सुबह से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं के लिए 2500 किलोग्राम नैवेद्यम का स्टॉक किया गया है। प्रबंधन ने आश्वस्त किया है कि जरूरत पड़ने पर नैवेद्यम की कोई कमी नहीं होगी। मंदिर प्रबंधन समिति के रंगास्वामी बालाजी ने बताया कि, 'इस वर्ष रामनवमी पर पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भीड़ उमड़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे मंदिर परिसर की निगरानी 48 सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल भी तैनात रहेगा, ताकि किसी भी अव्यवस्था को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जगह-जगह पानी की बोतलें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई है, जिससे वे आसानी से मंदिर तक पहुंच कर दर्शन कर सकें।

'तेजस्वी शाम 6 बजे बाद शराब के नशे में रहते'

लोकतंत्र की शान , पटना

राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (HAM) के प्रवक्ता दानिश रिजवान पर खुलेआम फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि "बिहार में कानून-व्यवस्था खत्म हो चुकी है, NDA का राज मतलब गुंडों का राज है। इस पर दानिश रिजवान ने प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो को AI जेनरेटेड करार दिया है। उन्होंने तेजस्वी को वीडियो पोस्ट करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की बात भी कही है। RJD के आरोपों पर दानिश रिजवान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि, उस वीडियो में दिखाया जा रहा है कि किस तरीके से हमारे द्वारा फायरिंग की घटना कौन अंजाम दिया गया है। यह तेजस्वी यादव द्वारा नहीं किया गया है, क्योंकि 6:00 के बाद तेजस्वी शराब के नशे में होते हैं। दानिश रिजवान ने बताया कि, 'इस मामले में पहले ही आरा नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। उनके भाई मोहम्मद जमाल अशरफ ने 17 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी।' एफआईआर के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा AI के जरिए फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया गया और रंगदारी की मांग की गई। शिकायत में कहा गया है कि मोहम्मद फैज आजम उर्फ सिकंदर ने फोन कर ईद के खर्च के नाम पर 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। आरोप है कि पहले भी जमीन घेराबंदी के लिए 10 लाख रुपये दिए जा चुके थे।

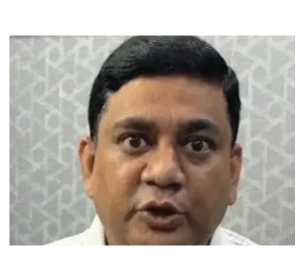

बिहटा की सड़क में 'नाला' का पानी गंदगी से वार्ड 23 के लोग परेशान

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जिले के बिहटा नगर परिषद के वार्ड नंबर 23 स्थित राघोपुर तीन मोहनी के पास बिहटा-कनपा मुख्य मार्ग पर पिछले कई महीनों से नाली का गंदा पानी बह रहा है। इससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे बाजार होने के कारण लोगों का आना-जाना भी प्रभावित हो रहा है। गंदे पानी के कारण सड़क पर फिसलन और गड्ढे बन गए हैं, जिससे कई बार छोटे वाहन चालक और पैदल यात्री गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाईः स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर परिषद और वार्ड पार्षद से इस समस्या की शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासी पंकज कुमार ने बताया कि दो महीने से अधिक समय से यह स्थिति बनी हुई है। गंदे पानी के कारण बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है और रोजमर्रा के कामकाज में भी परेशानी हो रही है।

97 करोड़ का बजट, फिर भी बदहाल व्यवस्थाः गौरतलब है कि हाल ही में बिहटा नगर परिषद के विकास के लिए करीब 97 करोड़ रुपए का बजट पास किया गया है। इसके बावजूद कई वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल विकास के नाम पर बजट तो पेश होता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बरसात के मौसम में यह समस्या और विकराल रूप ले लेती है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

वार्ड 23 की समस्या की जानकारी मिली है। नगर परिषद की सफाई मशीन पिछले कई दिनों से खराब है, जिसके कारण जल निकासी नहीं हो पा रही है। मशीन ठीक होते ही जल्द सफाई कराई जाएगी।

– साक्षी मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट, बिहटा नगर परिषद

संक्षिप्त समाचार

रेवाड़ी में 65 वर्षीय बुजुर्ग ने लगाई फांसी

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के गढ़ी गांव में 65 वर्षीय बुजुर्ग ओमप्रकाश यादव ने गुरुवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलने पर नाहड़ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, ओमप्रकाश यादव गांव में अपने पैतृक मकान में अकेले रहते थे। उनका इकलौता बेटा भारतीय नौसेना में कार्यरत है, जिसकी वर्तमान पोस्टिंग जम्मू में बताई जा रही है। बेटा अपने परिवार को अपने साथ रखता है, जबकि ओमप्रकाश गांव में अकेले रह रहे थे। प्राथमिक तौर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि इसके पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। नाहड़ चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और हर पहलू को ध्यान में रखा जा रहा है।

पानीपत: बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लोकतंत्र की शान : पानीपत। जिले के गांव भालसी के पास एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार बस द्वारा मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मारने से हुआ जिससे मोटरसाइकिल चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपने भाई के साथ थर्मल प्लांट में भंडारे का काम निपटाकर घर वापस लौट रहा था। मृतक की पहचान गांव धनसोली निवासी जगदीश के रूप में हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थाना मतलौडा पुलिस ने शिकायत के आधार पर बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है और बस की तलाश शुरू कर दी है। गांव अटावला निवासी चांद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हलवाई का काम करता है। उसके साथ उसके मामा का लड़का गांव धनसोली निवासी जगदीश पिछले 10 वर्षों से मिलकर काम कर रहा था। गुरुवार की रात दोनों भाई अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर थर्मल प्लांट में भंडारे की मिठाई बनाने का काम खत्म कर वापस गांव अटावला लौट रहे थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वे भालसी खेल स्टेडियम और महादेव ढाबा के पास पहुंचे, तो पीछे से पानीपत की तरफ से आ रही एक निजी बस के ड्राइवर ने बस को बेहद तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरी। हादसे में बाइक चला रहे जगदीश को गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। पीछे बैठे चांद ने राहगीरों की मदद से जगदीश को तुरंत भालसी स्थित अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

कैथल में गैस किल्लत के बीच प्रशासन की अपील, पीएनजी कनेक्शन चालू करवाएं

लोकतंत्र की शान : कैथल। जिले में गैस किल्लत की समस्या को देखते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की फिटिंग पूरी हो चुकी है, वे अपनी सिक्योरिटी फीस जमा करवाकर कनेक्शन चालू करवा लें। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड द्वारा जिले में अब तक 33 हजार 396 घरेलू कनेक्शन की फिटिंग की जा चुकी है। इनमें से 10 हजार 617 कनेक्शन सक्रिय हैं, जबकि लगभग 22 हजार 779 उपभोक्ता ऐसे हैं जिनके यहां मीटर लगने के बावजूद गैस का उपयोग शुरू नहीं हुआ है। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए उपभोक्ताओं से कहा कि वे अपनी सिक्योरिटी जमा करवाते हुए इसे चालू करवाएं। उन्होंने कहा कि पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में अधिक किफायती और सुरक्षित है। पीएनजी की कीमत लगभग 56.70 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि एलपीजी की कीमत 65.30 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसके अलावा पीएनजी की सप्लाई 24 घंटे निरंतर उपलब्ध रहती है, जिससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर खत्म होने की चिंता नहीं रहती। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा 23 मार्च 2026 को जारी निर्देशों के तहत स्पष्ट किया गया है कि जिन घरों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है, वहां एलपीजी सप्लाई को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जा सकता है। प्रशासन ने आमजन से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और जल्द से जल्द पीएनजी कनेक्शन को चालू करवाएं। उन्होंने बताया कि पीएनजी कनेक्शन से जुड़ी किसी भी जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए उपभोक्ता कंट्रोल रूम में संपर्क कर सकते हैं। उपभोक्ता सुविधा, सुरक्षा और बचत को ध्यान में रखते हुए पीएनजी गैस का उपयोग शुरू करें और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें।

तीन करोड़ के अफीम दूध के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

- एएनटीएफ ने टायर पंक्चर करके पकड़ा, 58 किलो अफीम का दूध जब्त

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। जालोर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने राजसमंद के देवगढ़ इलाके में कार्रवाई कर पिता-पुत्र तस्करों को गिरफ्तार किया। टीम ने उनके कब्जे से 58 किलो अफीम का दूध जब्त किया, जिसकी कीमत करीब तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ टीम पुराने और कुख्यात तस्करों पर नजर रखे हुए थी। भंवर सिंह पहले भी एनसीबी के केस में पकड़ा जा चुका है। वह 2013 में अवैध अफीम तस्करी के मामले में गिरफ्तार हुआ था और करीब आठ साल जेल में रहा। जेल से बाहर आने के बाद भी उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। टीम आरोपित का पीछा करते हुए मंडफिया स्थित सांवरिया सेठ मंदिर तक पहुंची। आरोपी वहां माल के साथ रात में रुका। टीम ने भी गुप्त रूप से वहीं रुककर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और आगे की कार्रवाई की योजना बनाई। अगले दिन भंवर सिंह और उसका बेटा जितेंद्र सिंह दो गाड़ियों में देवगढ़ कामली घाट के रास्ते निकले। जितेंद्र बोलेरो गाड़ी में आगे चलकर रास्ते की जानकारी दे रहा था, जबकि भंवर सिंह दूसरी कार में अफीम लेकर जा रहा था। देवगढ़ के पास टीम ने पहले बेटे की गाड़ी को निकलने दिया। ग्रीन सिग्नल मिलने पर जैसे ही भंवर सिंह पहुंचा, टीम ने उसकी गाड़ी का टायर पंक्चर कर उसे पकड़ लिया और अफीम जब्त कर ली। संपर्क टूटने पर जितेंद्र भी रुक गया, जिसे घेरकर गिरफ्तार किया गया। तस्कर भंवर सिंह हर ट्रिप में मंडफिया के सांवरिया सेठ के मंदिर जरूर जाता था। वह माल लेने आते-जाते रात के समय में अक्सर वहीं रुकता था। पहले भी 2 बार एएनटीएफ ने वहां तक पीछा किया था, लेकिन वह बच निकला था। दो बार कार्रवाई की कोशिश में पता चला कि भंवरसिंह रात के समय में एक ही ढाबे पर खाना खाता था। टीम ने ढाबे के वेटर को मुखबिर बनाया। सूचना मिलने पर स्पष्ट हुआ कि वह चित्तौड़ की तरफ माल लेने जाएगा और वापस इसी रास्ते आएगा। इसी आधार पर टीम ने जाल बिछाया और कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में भंवर सिंह ने बड़े सरगनाओं के नाम बताए हैं। अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

आपदा प्रबंधन द्वारा भूकंप पूर्व प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

» प्लाटून कमांडर मयंक तिवारी ने बताए सुरक्षा के टिप्स

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पी.एम. श्री संजय गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 1 दिवसीय भूकंप पूर्व प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अपर कलेक्टर बी.पी. पांडेय एवं एसडीएम राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी एल बी कोल डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, होमगार्ड, सीधी के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण प्लाटून कमांडर मयंक तिवारी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में आपदा एवं आपदा प्रबंधन, भूकंप के कारण, प्रभाव एवं बचाव उपाय, भूकंप के दौरान एवं बाद की सावधानियां तथा आग से सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उपकरणों का डेमोंस्ट्रेशन भी कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ के.एस. नेताम, प्रो. आई.पी. प्रजापति, एनसीसी प्रभारी प्रो. उमाकांत सहित होमगार्ड, एसडीईआरएफ, कलेक्ट्रेट एवं विभिन्न एनजीओ गीतांजलि जन कल्याण समिति के रविशंकर मिश्र के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में एनसीसी, एनजीओ तथा महाविद्यालय के 250 से अधिक छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री वितरित की गई तथा स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए इसे सफल बनाया।

लोकसभा में सांसद ने उठाया अहम मुद्दा, प्रवासी मृतकों के पार्थिव शरीर लाने योजना की मांग

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने आज लोकसभा में शून्यकाल के दौरान एक अत्यंत संवेदनशील एवं जनहित से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सीधी, सिंगरौली एवं ब्यौहारी क्षेत्र के उन नागरिकों की समस्या को सदन के समक्ष रखा, जो रोजगार, व्यवसाय या उपचार के लिए अन्य राज्यों में जाते हैं। सांसद ने बताया कि कई बार दुर्भाग्यवश इन लोगों का अन्य प्रदेशों में निधन हो जाता है, जिसके बाद उनके पार्थिव शरीर को गृह क्षेत्र तक लाने में परिजनों को भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। डॉ. राजेश मिश्रा ने केंद्र सरकार से इस समस्या के समाधान हेतु एक ठोस योजना बनाने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए अलग से बजटीय प्रावधान किया जाए या इसे आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शामिल किया जाए, ताकि जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके। सांसद के इस प्रस्ताव को क्षेत्रीय जनभावनाओं से जुड़ा बताते हुए स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है। उनका मानना है कि यदि इस दिशा में सरकार ठोस कदम उठाती है, तो संकट की घड़ी में हजारों परिवारों को बड़ी सहायता मिल सकेगी।

चौकी खितौली थाना बरही पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन करते हुए ट्रैक्टर-ट्राली जप्त

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ संतोष डेहरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी महोदय पुलिस विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे के मार्गदर्शन में अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में दिनांक 27/03/26 को खितौली पुलिस द्वारा अवैध रेत का खनन की सूचना पर ग्राम बड़ागांव धनवाही टोला रोड के पास अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़े जिनमें से एक रेत सेभरा हुआ ट्रैक्टर लाल रंग का महिंद्रा कंपनी का बिना नंबर का एवं दूसरा रेत सेभरा हुआ ट्रैक्टर नीले रंग का सोनालिका कंपनी का बिना नंबर का पकड़ा गया ।उक्त वाहनों को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर समक्ष गवाहों के कब्जे में लेकर ट्रैक्टर ट्राली जप्त की गई तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर ट्राली को सुरक्षित चौकी परिसर में खड़ा कराया गया विशेष भूमिका- इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे चौकी खितौली प्रभारी ऋषभ सिंह बघेल ,आरक्षक 669 अंकित , सैनिक 21 श्यामनारायण की विशेष भूमिका रही कटनी चौकी खितौली थाना बरही पुलिस के द्वारा अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

राम नवमी एवं जवारे विसर्जन पानी का टैंकर की व्यवस्था विसर्जन के लिए कुंड के पास किया गया है

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

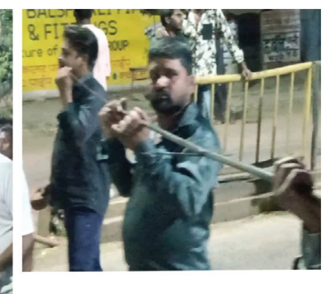

कटनी। नगर में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों राम नवमी एवं जवारे विसर्जन पर्व के अवसर पर नगर निगम प्रशासन द्वारा शुक्रवार को शहरभर में विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। अभियान के तहत नागरिकों की सुविधा एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंदिरों, जुलूस मार्गों, विसर्जन घाटों तथा विभिन्न भंडारा स्थलों पर व्यापक साफ-सफाई की गई। और टैंकरों की व्यवस्था की गई इसी तरह लोकमान्य तिलक वार्ड के पास से रामनवमी मैं जवारा विसर्जन के लिए जुलूस निकाला गया जिसमें जावरा वाला और मां काली के रूप में प्रदर्शन निकाला गया साथ में पांडा साथ चल रहे थे जो संचालन कर रहे थे काफी तादाद में पुरुष महिलाएं साथ चल रही थी लोकमान्य तिलक वार्ड की पूर्व पार्षद राजकिशोर यादव और पार्षद श्रीमती वंदना राज किशोर यादव के द्वारा पेयजल की व्यवस्था की गई थी जिसमें जुलूस को पानी वगैरह पिलाया जा रहा था राजकिशोर यादव ने मां काली के साथ फोटो भी खिंचवा और आशीर्वाद भी लिया जुलूस आगे मंडी के पास एक तालाब कुंड में पानी का भी इंतजाम किया गया था जो विसर्जन के लिए था। आज रामनवमी का जुलूस पूरे शहर में निकल गया जगह-जगह भंडारा भी किया गया प्रशासन की ओर से पूरी तरह से साफ सफाई देखी गई।

देवी मंदिर में नौ दिवसीय अनुष्ठान का भंडारे के साथ हुआ समापन

» चैत्र नवरात्रि पर चल रहा था दुर्गा चालीसा एवं अखंड रामचरितमानस पाठ

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिले के नगर क्षेत्र मझौली के वार्ड क्रमांक 14 स्थित धुआंवल देवी (धूमावती) मंदिर मझौली अस्पताल की पीछे सदियों से लोक आस्था का केंद्र रहा है जहां चैत्र नवरात्रि के अवसर पर विगत 19 मार्च से अखंड दुर्गा चालीसा पाठ एवं रामचरितमानस पाठ जारी रहा जिसका समापन आज 27 मार्च रामनवमी तिथि को हवन एवं भंडारे के साथ हुआ। निर्धारित तिथि रामनवमी के दिन मंदिर के पुजारी रमेश चतुर्वेदी जो विगत 19 मार्च (चैत्र नवरात्रि के प्रतिपदा) से अपने सिर एवं सीने में जवारे बोए हुए थे एवं देवी माता के पास भक्तों द्वारा जवारे बोए हुए थे सभी का पंचामृत से पूजन के बाद गाजे बाजे के साथ काली माता खप्पर के साथ देवी गीत के धुन पर नाचते हुए जवारे विसर्जन यात्रा देवी मंदिर से शुरू हुई जो तहसील मुख्यालय,थाना मुख्यालय एवं मुख्य बाजार से होते हुए मड़फहा देवी मंदिर में पहुंची जहां सभी जवारों का विसर्जन किया गया।फिर हवन के बाद भंडारा का कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे से शुरू किया गया जो देर शाम तक चलता रहा जहां क्षेत्र के श्रद्धालु एवं नगरवासी देवी माता का प्रसाद लेकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अनुष्ठान के लिए शक्ति देती हैं देवी माता

मंदिर के पुजारी रमेश चतुर्वेदी जो नवरात्रि के अवसर पर 9 दिनों तक अखंड उपवास के साथ सीने में एवं सिर में जवारे उगाए हैं और उन्हीं जवारे को रामनवमी के दिन देवी को चढ़ाए हैं। भक्तों के मुताबिक मंदिर के पुजारी 9 दिन तक निराहार रह कर पूजा अनुष्ठान किए हैं और पूर्ण रूप से स्वस्थ भी हैं यह देवी माता का चमत्कार कहें या आशीर्वाद कहा जाए क्योंकि धूप के महीना में बिना अन्न जल के नौ दिनों का अनुष्ठान पूर्ण करना देवी माता की कृपा से ही संभव हो पाता है। शारदीय नवरात्रि एवं चैत्र नवरात्रि के अलावा भी हर समय उक्त मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रहती है और लोग अपना कष्ट लेकर आते हैं देवी माता के शरण में गुहार लगाते हैं यह श्रद्धा कहा जाय याकि देवी माता की महिमा उनके कष्ट भी दूर होते हैं और मनोकामना पूर्ण होती हैं जिस कारण दिनों दिन लोगों की आस्था भी बढ़ती जाती है और देवी माता के नित नए चमत्कार भी देखने को मिलते हैं।

जिला कांग्रेस कार्यसमिति की मासिक बैठक आज

संगठन मजबूती और आगामी रणनीति पर होगा मंथन

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी की मासिक कार्यसमिति बैठक आज 28 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे जवाहर भवन सीधी में आयोजित की जाएगी। बैठक में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी, भोपाल से नियुक्त जिला संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह द्वारा की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्षगण, सहयोगी संगठनों के अध्यक्ष, विभाग एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों सहित कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारियों की उपस्थिति अपेक्षित है। जिला कांग्रेस कमेटी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से समय पर उपस्थित होकर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। बैठक में संगठनात्मक मजबूती पर रहेगा फोकस ,जनसंपर्क अभियान सहित स्थानीय मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी एवं गत माह तय किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा भी की जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री ने केंद्र के फैसले का किया स्वागत, कहा-जनता को मिलेगा आर्थिक संबल

लोकतंत्र की शान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पेट्रोल-डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कमी के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में नरेंद्र मोदी का नेतृत्व देश के लिए सुरक्षा कवच साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लिखा कि पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क को 13 से घटाकर 3 प्रति लीटर और डीजल पर 10 से घटाकर शून्य करने का निर्णय बेहद सराहनीय है। इस फैसले से देश के लाखों परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम आमजन को वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव से होने वाली अनिश्चितताओं से भी काफी हद तक राहत प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों से दूर रहें और एकजुट होकर राज्य व देश की प्रगति में अपना योगदान दें।राजनीतिक और आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, केंद्र सरकार के इस फैसले का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा और महंगाई के दबाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

अवैध कफ सिरप के साथ पकड़ाया आरोपी

» कोतवाली थाना प्रभारी की तत्परता से मिली बड़ी कामयाबी

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन, रीवा गौरव राजपूत के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान प्रहार 2.0 के अंतर्गत नशे के अवैध कारोबार और तस्करी के विरुद्ध सीधी पुलिस की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा की देखरेख में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस टीम द्वारा अवैध नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 26 मार्च 2026 एवं 27 मार्च 2026 की दरमियानी रात पुलिस को मुखबिर के माध्यम से पुख्ता सूचना प्राप्त हुई कि सोनाखांड निवासी एक युवक अपनी स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल पर भारी मात्रा में अवैध नशीली कफ सिरप लेकर बेचने की फिराक में जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी द्वारा तुरंत पुलिस टीम गठित कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस टीम द्वारा सोनाखांड तिराहे पर तत्परता से नाकाबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान मुखबिर के बताए अनुसार हुलिए वाला संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार पुलिस को आता दिखा, जिसे रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अजीत जायसवाल उर्फ लाला पिता राजमणि जायसवाल 24 वर्ष निवासी सोनाखांड बताया। तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल पर सामने रखी सीमेंट की बोरी से 40 शीशी अवैध नशीली कफ सिरप बरामद की गई। बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत 8,000 रुपये है। इसके साथ ही अपराध में प्रयुक्त की जा रही नीले रंग की यामाहा आर15 मोटरसाइकिल जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये है, को भी पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया है। इस पूरी कार्यवाही में कुल लगभग 1.58 लाख रुपये का मसरूका जब्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 21, 22 एवं मप्र ड्रग कंट्रोल एक्ट की धारा 5/13 के तहत मामला पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा, मामले की विवेचना जारी है। उक्त सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, उपनिरीक्षक प्रीति वर्मा, प्रधान आरक्षक तिलकराज सिंह, आनंद शर्मा, आरक्षक राजकुमार मिश्रा एवं सुनील त्रिपाठी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

संक्षिप्त समाचार

स्पेन में पिता से कानूनी लड़ाई के बाद बेटी को मिली इच्छामृत्यु, रेप के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी

नई दिल्ली। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्तिलो ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु के जरिए अपना जीवन खत्म कर लिया। बार्सिलोना की रहने वाली नोएलिया का 2022 में एक फैसिलिटी सेंटर में 3 युवकों ने रेप किया था। इसके बाद नोएलिया ने आत्महत्या की कोशिश की और पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हुई और कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गई। नोएलिया ने कहा था कि वह अपनी मौत के समय अकेली रहना चाहती हैं और नहीं चाहती थीं कि कोई उन्हें अंतिम समय में देखे। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया में तीन इंजेक्शन दिए गए। पहले दो से गहरी बेहोशी लाई गई और तीसरे इंजेक्शन से दिल की धड़कन रुक गई। नोएलिया ने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया था, जिसे कैटेलोनिया सरकार ने मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन आखिरी समय में उसके पिता ने अदालत में आपत्ति दर्ज कराई और प्रक्रिया रुकवा दी। पिता का तर्क था कि उनकी बेटी मानसिक रूप से पूरी तरह सक्षम नहीं है और देश को उसकी जान की रक्षा करनी चाहिए। यह मामला करीब डेढ़ साल तक अदालत में चला। अंत में यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय ने नोएलिया के पक्ष में फैसला सुनाया, जिससे इच्छामृत्यु का रास्ता साफ हुआ। स्पेन में इच्छामृत्यु को 2021 में कानूनी मान्यता मिली थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024 में 426 लोगों को इस प्रक्रिया की अनुमति दी गई थी। नोएलिया का मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पहली बार किसी व्यक्ति के इच्छामृत्यु के अधिकार को लेकर इतनी लंबी और बड़ी कानूनी लड़ाई देखने को मिली।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में भूकंप, लोग घबराकर घरों से बाहर निकले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के झोब और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार रात आए भूकंप से दहशत फैल गई। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 दर्ज की गई। लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और कुरान की आयतें पढ़ने लगे। भूकंप के कारण झोब के किसी भी हिस्से से जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र ने कहा कि भूकंप का केंद्र झोब से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 12 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। स्थानीय प्रशासन और बचाव एजेंसियां स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। इससे पहले गुरुवार की सुबह भी बलोचिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के बारखान से लगभग 55 किलोमीटर उत्तर में था। इसकी गहराई जमीन से लगभग 92 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई।

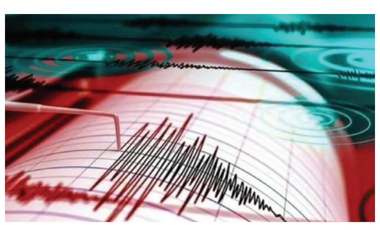

ईरान-अमेरिका के बीच मंत्री-स्तरीय वार्ता अगले सप्ताह : मिस्र के विदेश मंत्री

बेरूत। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने कहा कि अगले सप्ताह की शुरुआत में ईरान और अमेरिका के बीच मंत्री-स्तरीय बैठक होने की उम्मीद है। वह अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। यह तनाव कम करने और बातचीत की संभावनाएं तलाशने के व्यापक क्षेत्रीय प्रयासों का एक हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया एबीसी न्यूज के अनुसार बेरूत में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा स्थिति को लेकर कुछ "साझा बिंदु" हैं, जिनमें तनाव कम करने की साझा इच्छा भी शामिल है। ईरान के मुद्दे पर तनाव कम करने की इच्छा और मौजूदा विवादों को सुलझाने के साधन के तौर पर बातचीत की संभावनाएँ तलाशने की तत्परता से जुड़े कुछ साझा बिंदु हैं। उन्होंने बताया कि मिस्र पाकिस्तान और तुर्की जैसे क्षेत्रीय साझेदारों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए ईरान और अमेरिका के पक्षों के बीच संदेशों का आदान-प्रदान करता रहा है और अभी भी कर रहा है। हम पूरी तरह से समन्वय बनाए हुए हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का कानूनी अधिकार : अराकची

तेहरान। पश्चिम एशिया में पिछले 28 दिनों से जारी युद्ध के बीच ईरान के विदेश के मंत्री सैयद अब्बास अराकची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से अमेरिका, इज़राइल और उनके सहयोगियों से संबंधित या उनसे जुड़े जहाज़ों को गुज़रने से रोकना ईरान का कानूनी अधिकार है। अराकची ने ये टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फ़ोन पर बातचीत के दौरान कीं। दोनों नेताओं ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के सुरक्षा और मानवीय परिणामों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ईरान के विदेश मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को एक बयान में बताया कि ईरानी विदेश मंत्री ने गुटेरेस को संघर्ष के नवीनतम घटनाक्रमों और अमेरिका तथा इजराइल द्वारा किए गए अपराधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की "वैध" रक्षा जारी रखने के ईरान के दृढ़ संकल्प पर ज़ोर दिया। उन्होंने स्कूलों, अस्पतालों, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक इमारतों, सार्वजनिक स्थानों और आवासीय क्षेत्रों सहित नागरिक ठिकानों पर अमेरिका और इज़राइल के "बर्बर" हमलों की निंदा की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की इस ज़िम्मेदारी पर प्रकाश डाला कि वह आक्रमणकारियों द्वारा किए गए संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून (जिसमें मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून शामिल हैं) के "घोर उल्लंघनों" पर कार्रवाई करे। अराकची ने कुछ पक्षों की उन स्थितियों और एकतरफ़ा अनुरोधों की आलोचना की जिनमें ईरान से संयम बरतने और युद्ध रोकने की अपील की गई थी। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा, "इस स्पष्ट तथ्य को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए कि यह अमेरिका ही था जिसने इज़राइल के साथ मिलकर ईरान के ख़िलाफ़ सैन्य आक्रमण शुरू किया और कूटनीति के साथ बार-बार विश्वासघात करके तथा सभी क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा और हितों को ख़तरे में डालकर इस क्षेत्र और दुनिया पर युद्ध थोप दिया।" उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा अमेरिका और इज़राइल के "कानून तोड़ने और आक्रमण" का सीधा परिणाम है। उन्होंने एक तटीय देश के रूप में ईरान के इस अधिकार को कानूनी अधिकार बताया कि वह अमेरिका, इज़राइल और उनके सहयोगियों से संबंधित या उनसे जुड़े जहाज़ों को वहाँ से गुज़रने से रोक सके। अराकची ने कहा कि इस जलमार्ग में नौवहन की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी ज़िम्मेदारियों से भली-भांति अवगत होते हुए भी ईरान के संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक उपाय किए हैं।

कुवैत का शुवैख बंदरगाह ईरानी ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त, कोई हताहत नहीं

कुवैत सिटी। पश्चिम एशिया में पिछले 28 दिनों से जारी युद्ध के बीच शुक्रवार को ईरान ने कुवैत के व्यवसायिक बंदरगाह शुवैख पर ड्रोनों ने हमला किया। इससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ और तुर्किए की संवाद समिति अनाडोलू के अनुसार कुवैत पोर्ट्स अथॉरिटी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ईरान के ड्रोन हमले से शुवैख बंदरगाह की सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और अब तक किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। स्थिति का जायजा लेने और बंदरगाह पर परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुवैत पोर्ट्स अथॉरिटी और संबंधित सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय के प्रयास जारी हैं। शुवैख बंदरगाह कुवैत के प्रमुख और व्यापक वाणिज्यिक बंदरगाहों में से एक है, जिसने देश की उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला और सामान्य माल आयात प्रणाली में लंबे समय से अग्रणी भूमिका निभाई है। यह घटना बीते 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमलों के बाद बढ़ते तनाव के बीच हुई है। जवाब में ईरान ने पूरे मध्य पूर्व में इजराइल और अमेरिक के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं।

कोलकाता पहुंचेंगे अमित शाह
तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जारी करेंगे आरोप पत्र

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार देर रात कोलकाता पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बयान के अनुसार, वह शनिवार दोपहर सत्तारूढ़ तृणमूल के खिलाफ 14 बिंदुओं का एक विस्तृत आरोप पत्र जारी कर सकते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह आरोप पत्र पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम साबित हो सकता है। इसके साथ ही यह भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र जारी करने की प्रक्रिया का भी मार्ग प्रशस्त करेगा।

पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि यदि आरोप पत्र तृणमूल कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार और कुप्रशासन को उजागर करेगा, तो चुनावी घोषणा पत्र उसका राजनीतिक जवाब होगा। इन दोनों कदमों से सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ पार्टी का हमला और तेज होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह का विमान रात लगभग 11:40 बजे दमदम हवाई अड्डे पर उतरेगा, जहां से वह न्यू टाउन स्थित एक होटल के लिए रवाना होंगे। शनिवार दोपहर 12 बजे वह एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ औपचारिक रूप से 14 बिंदुओं का आरोप पत्र जारी किए जाने की संभावना है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, चुनावी घोषणा पत्र कुछ दिन बाद जारी किया जा सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक तिथि अभी घोषित नहीं हुई है। पहले योजना थी कि अमित शाह इसी दौरे में भाजपा का चुनावी संकल्प पत्र भी जारी करेंगे, लेकिन अब रणनीति में बदलाव करते हुए पहले आरोप पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया है। लगभग 35 से 40 पृष्ठों के इस दस्तावेज में तृणमूल कांग्रेस के लगातार तीन कार्यकाल के दौरान शासन के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ-साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भी निशाने पर लिया जा सकता है।

भाजपा के अनुसार, आरोप पत्र में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था की स्थिति, प्रशासनिक विफलता और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कथित हमलों जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा, उद्योगों की स्थिति, कृषि संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियां, शिक्षा क्षेत्र की समस्याएं, सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दे, चाय बागान श्रमिकों की स्थिति और उत्तर बंगाल की उपेक्षा जैसे विषय भी इसमें शामिल किए जाने की संभावना है।

महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने की शिवराज सिंह से मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र के कृषि मंत्री दत्तात्रय विठोबा भरणे ने शुक्रवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। बैठक के दौरान महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने राज्य में चल रहे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से कृषि यंत्रीकरण एवं ड्रिप सिंचाई के लिए अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने का केंद्रीय कृषि मंत्री से अनुरोध किया।

भरणे ने राज्य के तटीय क्षेत्रों में आम एवं काजू की फसलों को असमय वर्षा से हुए नुकसान के बारे में भी कृषि मंत्री को अवगत कराया। इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि नुकसान के आकलन के लिए केंद्र सरकार की टीम पहले ही राज्य का दौरा कर चुकी है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने राज्य में असमय वर्षा से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिकतम लाभ राज्य के किसानों के लिए सुनिश्चित किया जाए।

चौहान ने मीडिया को बताया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए 52 टीमों का गठन किया गया है और इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। साथ ही राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए राज्य को सक्रिय कदम उठाने का भी आग्रह किया।

बैठक के दौरान महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने बताया कि इस वर्ष राज्य में प्याज का उत्पादन अधिक हुआ है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि एपीएमसी के माध्यम से किसानों से सीधे खरीद की व्यवस्था की जाए। इस पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने उचित कदम उठाने का भरोसा दिया।

यूपी-एमपी और राजस्थान में अगले 3 दिन बारिश

एजेंसी, नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

राजस्थान, मध्य प्रदेश और यूपी में आज से तीन दिन तक बारिश की संभावना है। राजस्थान में बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ सहित 8 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। वहीं मध्य प्रदेश में 24 घंटे के अंदर ग्वालियर समेत 7 जिलों में आंधी-बारिश हो सकती है। मार्च में तीसरी बार पानी गिरने का अनुमान है। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में दिन का पारा 41.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

यूपी में शुक्रवार सुबह लखनऊ, मेरठ समेत 10 जिलों में बादल छाए। 30kmph की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने प्रदेश के 38 जिलों में हल्की बूंदाबांदी का यलो अलर्ट जारी किया है। उधर उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है।

लद्दाख में जोजिला पास के पास जीरो प्वाइंट इलाके में शुक्रवार को एवलॉन्च की घटना हुई, जिससे 3 से 4 गाड़ियां बर्फ के नीचे दी गईं।

◆ जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एवलांच, 20 गाड़ियों का रेस्क्यू

सड़क भी पूरी तरह बंद हो गई। रेस्क्यू टीमें बर्फ हटाने और कार में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रही है। हालांकि, कितने लोग फंसे हैं, इसका सही आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुंछ में गुरुवार शाम एवलांच आया, जिसमें 20 से ज्यादा गाड़ियां फंस गईं। बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) की टीम ने देर रात सभी फंसे लोगों को को सुरक्षित बाहर निकाला।

युद्ध के कारण नेपाल के अर्थतंत्र पर संकट के बादल-एडीबी रिपोर्ट

एजेंसी, काठमांडू

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एक अध्ययन में बताया गया है मध्यपूर्व के बढ़ते संघर्ष के कारण नेपाल जैसे रेमिटेंस पर निर्भर अर्थतंत्रों पर गंभीर असर पड़ सकता है। नवीनतम रिपोर्ट 'एडीबी ब्रिफ्स 384' के अनुसार, इस संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाा में बाधा, वित्तीय स्थितियों में सख्ती और विशेष रूप से रेमिटेंस प्रवाह में बड़ी गिरावट का जोखिम बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संघर्ष रेमिटेंस प्रवाह को सीधे प्रभावित करेगा, और नेपाल जैसे देशों पर इसका असर ज्यादा होगा जो पश्चिम एशिया से आने वाले रेमिटेंस पर अत्यधिक निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 8.1 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आने वाले रेमिटेंस से आता है, जो एशियाई देशों में सबसे अधिक है। यदि पश्चिम एशियाई देशों की आर्थिक गतिविधियों में मंदी आती है, तो वहां काम कर रहे नेपाली श्रमिकों की मांग और आय घटेगी, जिससे नेपाल में आने वाली विदेशी मुद्रा पर सीधा असर पड़ेगा। ईंधन के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर नेपाल जैसे देशों के लिए कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि एक बड़ी चुनौती बन गई है। संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 120 डॉलर तक पहुंच गई थी।

यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो एडीबी का अनुमान है कि एशिया के विकासशील देशों की आर्थिक वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत अंक तक घट सकती है और मुद्रास्फीति 3.2 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसके प्रभाव से दक्षिण एशिया में महंगाई दर सबसे अधिक बढ़ने की संभावना है, जहां कीमतों में 4.9 प्रतिशत अंक तक वृद्धि हो सकती है। पश्चिम एशिया रासायनिक उर्वरकों का प्रमुख उत्पादन केंद्र भी है। संघर्ष के कारण कतर और सऊदी अरब जैसे देशों से यूरिया और अमोनिया के निर्यात में बाधा आई है, जिससे वैश्विक बाजार में उर्वरकों की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 27 फरवरी की तुलना में 13 मार्च तक यूरिया की कीमत में 42.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। इससे कृषि प्रधान देश नेपाल में खेती की लागत बढ़ेगी और खाद्यान्न कीमतों पर भी दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, ओमान और हॉर्मुज जलडमरूमध्य जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्गों में बाधा के कारण ढुलाई (फ्रेट) दर और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर नेपाल जैसे आयात-निर्भर देशों में सभी प्रकार के सामानों की कीमतों पर पड़ेगा। इस संकट के प्रभाव को कम करने के लिए एडीबी ने सुझाव दिया है कि सरकारें ऊर्जा पर दी जाने वाली सब्सिडी को सभी के बजाय केवल अत्यंत गरीब परिवारों और प्रभावित उद्योगों तक सीमित करें। साथ ही, ऊर्जा की खपत कम करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को तेजी से अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। रेमिटेंस में संभावित गिरावट को देखते हुए विदेशी मुद्रा भंडार का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने की भी सलाह दी गई है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यह संकट एशियाई देशों की ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के जोखिमों को फिर से उजागर करता है। यदि संघर्ष लंबा चलता है, तो नेपाल जैसे देशों की आर्थिक स्थिरता पर और भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर सुरक्षित पहुंचा गुजरात के कांडला पोर्ट

एजेंसी, कच्छ

मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के समुद्री मार्ग पर बढ़े खतरों के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है।भारत का 'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर शुक्रवार को सुरक्षित गुजरात के कंडला पोर्ट पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर ईंधन सप्लाई प्रभावित होने की आशंका के बीच 'जग वसंत' नाम का विशाल एलपीजी कार्गो जहाज आज सुरक्षित रूप से गुजरात के कंडला बंदरगाह पर पहुंचा। इस 'जग वसंत' जहाज में लगभग 42,000 से 46,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर भारत आया है।

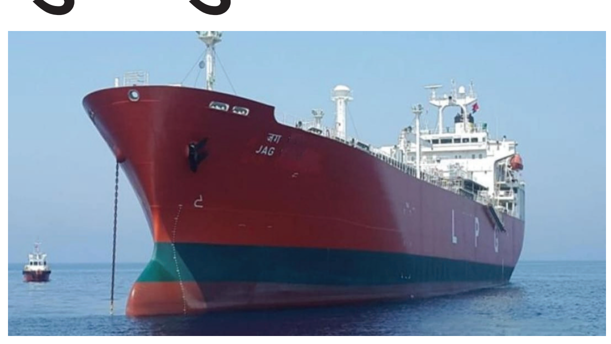

होर्मुज की खाड़ी में बढ़े सैन्य तनाव के बीच इस जहाज का सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचना केवल तकनीकी ही नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक रूप से भी बड़ी सफलता मानी जा रही है।

जैसे ही यह जहाज कांडला बंदरगाह पर पहुंचा, तो उससे गैस उतारने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली गई। अधिकारियों के अनुसार, समुद्र में ही छोटे जहाजों में एलपीजी ट्रांसफर करने का काम तेजी से शुरू किया जाएगा, ताकि गैस को विभिन्न बॉटलिंग प्लांट्स तक जल्द से जल्द पहुंचाया जा सके। पिछले कुछ समय से एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर लोगों में चिंता और अफवाहें फैल रही थीं। ऐसे समय में इतना बड़ा स्टॉक देश में पहुंचने से बाजार में स्थिरता आएगी और लोगों का भरोसा बढ़ेगा। सरकार की ओर से भी बार-बार आश्वासन दिया जा रहा है कि देश में पर्याप्त ईंधन स्टॉक उपलब्ध है।

◆ इस 'जग वसंत' जहाज में लगभग 42,000 से 46,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस लेकर भारत आया

राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश, रेकी करने वाला पकड़ा

एजेंसी, श्रीगंगानगर

राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश कर रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के ऑर्डर पर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब में भी रेकी कर वीडियो बनाए थे। ये जानकारी उसने भट्टी के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर भी की थी। आरोपी आकाशदीप श्रीगंगानगर के चक केरा गांव का रहने वाला है। उसे 26 मार्च की शाम को गांव से ही पकड़ा गया है। आशंका है कि आरोपी का संबंध 13 मार्च 2026 को अंबाला (हरियाणा) में मिले आरडीएक्स के मामले से हो सकता है।

सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में था: लालगढ़ जाटान पुलिस ने आकाशदीप को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी भट्टी के साथ इंस्टाग्राम और वॉट्सएप के जरिए लंबे समय से संपर्क में था। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ ने बताया- आकाशदीप बदमाश प्रवृत्ति का है। वह लोगों को पाकिस्तानी आतंकवादियों से संपर्क होने की धमकी देता था। ग्रामीणों ने इसको लेकर पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसके डॉन से कनेक्शन की जानकारी सामने आई।

एक और बाबा पर रेप केस, खुद को शिव अवतार बताकर शोषण किया

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक स्वयंभू बाबा के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर पुणे की 35 साल की महिला के साथ कई बार रेप किया। आरोपी की पहचान 40 साल के हृषिकेश वैद्य के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में नासिक में एक अन्य स्वयंभू बाबा अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर शिकायत दर्ज कराई। नासिक पुलिस ने 18 मार्च को 67 साल के ज्योतिषी अशोक खरात को 35 साल की महिला से बार-बार रेप करने और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। खरात खुद को ऑस्ट्रेलियाई मर्चेंट नेवी का कैप्टन और कॉस्मोलॉजी एक्सपर्ट बताता था। उसके संपर्क में कई बड़े नेता भी थे।

पीड़ित का दावा- आरोपी ने कई महिलाओं से रेप किया: महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने कई अन्य महिलाओं को भी फंसाकर उनका यौन शोषण किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और उसे पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं। हालांकि, आरोपी ने सोशल मीडिया पर आरोपों से इनकार करते हुए इसे झूठा मामला बताया है। पुलिस के मुताबिक, महिला की आरोपी से 2023 में फेसबुक के जरिए संपर्क हुआ था।

जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हर ग्रामीण परिवार को पेयजल के लिए मेघालय का केंद्र से समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय ने केंद्र सरकार के साथ जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इससे राज्य में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को परिणामोन्मुख और सेवा-आधारित ढांचे में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार को पर्याप्त मात्रा और निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराना है। ऐसा समझौता करने वाला मेघालय 12वां राज्य बन गया है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार एमओयू पर हस्ताक्षर जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राज्यमंत्री वी. सोम्माना और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की उपस्थिति में किए गए। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्रालय और मेघालय सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जलशक्ति मंत्रालय के सचिव अशोक केके मीणा ने कहा कि यह एमओयू केवल पाइपलाइन बिछाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सतत सेवाओं को प्राथमिकता देता है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया ताकि वे गांव स्तर पर जल आपूर्ति प्रणाली का संचालन और प्रबंधन कर सकें।

जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि मेघालय ने जल जीवन मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है और अब तक 83 प्रतिशत कवरेज हासिल किया है। उन्होंने राज्य सरकार से शेष कार्य शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार मिशन की समयसीमा दिसंबर 2028 तक बढ़ाई गई है और इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। मिशन के तहत गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि मेघालय, जो कभी ग्रामीण नल जल कवरेज में सबसे पीछे था, अब 83.59 प्रतिशत कवरेज हासिल कर चुका है। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय प्रधानमंत्री और जल शक्ति मंत्रालय के मार्गदर्शन को दिया। संगमा ने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति की मात्रा, गुणवत्ता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य ने 2019 में ही एक व्यापक जल नीति अपनाई थी और जलवायु परिषद का गठन किया था, जिसके तहत विभिन्न विभाग मिलकर जल संरक्षण और जागरूकता पर काम कर रहे हैं।

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका?- क्या दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है? -समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है?- अफवाह बनाम ज़मीनी हकीक- भय,भ्रम और बदलती वैश्विक वास्तविकता

» पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना -अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना ज़रूरी- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताज़ा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं क्रि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है। कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है क्रि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है। साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्रः डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो।

साथियों बात अगर हम भारत की रणनीतिः संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट हैःआपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता- किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाज़ी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाज़ी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।हालांकि, ऐसे बयान अक्सर राजनीतिक दृष्टिकोण से दिए जाते हैं,लेकिन इनका असर आमजनता पर गहरा पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह की आशंका व्यक्त करता है, तो लोगों के मन में अनिश्चितता और भय और अधिक बढ़ जाता है। साथियों बात अगर हम पीएम के संसद में बयान और उसके गलत अर्थ को समझने की करें तो,सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि पीएम ने संसद में अपने संबोधन के दौरान लॉकडाउन का संकेत दिया था।लेकिन वास्तविकता यह है कि उन्होंने केवल कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए यह कहा था कि हमें हर प्रकार की चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बयान को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।यह घटना यह दर्शाती है कि किस तरह आधी-अधूरी जानकारी या संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किए गए बयान बड़े पैमाने पर सटीक रूप से गलतफहमी पैदा कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम,क्या वैश्विक स्तरपर ऊर्जा लॉकडाउन संभव है? इसको समझने की करें तो,ऊर्जा लॉकडाउन का विचार नया है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं। यदि ऊर्जाआपूर्ति में भारी कमी आती है,तो सरकारें बिजली और ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक उपाय लागू कर सकती हैं।हालांकि, यह कोविड-19 जैसे पूर्ण लॉकडाउन से अलग होगा।ऊर्जा संकट के दौरान संभावित उपायों में शामिल हो सकते हैंः(1)औद्योगिक गतिविधियों को सीमित करना (2) कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना (3) सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना (4) बिजली और ईंधन की खपत परनियंत्रण लेकिन इन उपायों का उद्देश्य जीवन को पूरी तरह रोकना नहीं, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होगा। साथियों बात अगर हम इस पूरी स्थिति को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यः में समझने की करें तो ऊर्जा और भू-राजनीति का जटिल संबंध है,ऊर्जा संकट केवल किसी एक देश की समस्या नहीं है,बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर पूरी दुनियाँ पर पड़ रहा है। तेल और गैस कीआपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है।फ्रांस में आयोजित जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत के विदेश मंत्री ने भी स्पष्ट किया कि भारत किसी बिचौलिया देश की भूमिका नहीं निभा सकता। उनका यह बयान भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका को दर्शाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वास्तविकता बनाम धारणा, वर्तमान स्थिति को यदि समग्र रूप से देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि दुनियाँ एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है, लेकिन यह कोविड-19 जैसी स्थिति नहीं है। ऊर्जा संकट एक गंभीर मुद्दा है,लेकिन इसका समाधान लॉकडाउन नहीं,बल्कि बेहतर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में निहित है।भारत सहित अधिकांश देशों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लॉकडाउन जैसी कोई योजना नहीं है। जो कुछ भी हो रहा है, वह सतर्कता और तैयारी का हिस्सा है,न कि किसी बड़े प्रतिबंध कीइसलिए यह कहा जा सकता है कि ऊर्जा लॉकडाउन की चर्चा अधिकतर अफवाहों और भय का परिणाम है वास्तविकता यह है किसरकारें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और आवश्यक कदम उठा रही हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण है तथ्यों पर आधारित सोच, संयमित व्यवहार और सामूहिक जिम्मेदारी।दुनिया बदल रही है, चुनौतियाँ भी बदल रही हैं, लेकिन हर चुनौती का समाधान लॉकडाउन नहीं होता। इस बार भी, समाधान संतुलन, समझदारी और सहयोग में ही निहित है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानी गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

अफवाहों की आग में ईंधन संकट का भ्रम सच से दूर भीड़, व्यवस्था पर बढ़ता दबाव और जिम्मेदारी की कसौटी

लेखक- कांतिलाल मांडोत

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों पेट्रोल-डीजल को लेकर जो दृश्य सामने आए हैं, वे केवल आपूर्ति का मामला नहीं बल्कि मनोविज्ञान, सूचना और सामाजिक व्यवहार का भी प्रतिबिंब हैं। एक ओर सरकार और प्रशासन लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़, लंबी कतारें और कई जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यह पूरा घटनाक्रम हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर सूचना के इस युग में भी अफवाहें इतनी प्रभावी कैसे हो जाती हैं। राजधानी लखनऊ से लेकर गोंडा, झांसी, कौशांबी और चित्रकूट जैसे जिलों में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने न केवल अपने वाहनों में ईंधन भरवाया बल्कि बड़े-बड़े डिब्बों और ड्रमों में भी पेट्रोल-डीजल जमा करना शुरू कर दिया। लखनऊ के कठौता चौराहे पर सैकड़ों मीटर लंबी कतारें लगीं, जबकि गोंडा में तो स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लाइन में लगे लोगों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प तक हो गई। यह दृश्य किसी वास्तविक संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि एक अफवाह का असर था। जैसे ही यह खबर फैली कि पेट्रोल-डीजल खत्म हो सकता है, लोगों में एक प्रकार का भय पैदा हो गया। यह भय ही भीड़ का सबसे बड़ा कारण बना। जब लोग देखते हैं कि दूसरे लोग बड़ी मात्रा में ईंधन ले रहे हैं, तो वे भी उसी दिशा में कदम बढ़ा देते हैं। इसे सामूहिक व्यवहार की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्र सोच के बजाय भीड़ के व्यवहार का अनुसरण करता है। हालांकि, दूसरी ओर कई जिलों में स्थिति पूरी तरह सामान्य भी रही। गाजियाबाद, मेरठ और वाराणसी जैसे शहरों से रिपोर्ट मिली कि वहां पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की किल्लत नहीं है और लोग सामान्य रूप से ईंधन ले रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या वास्तविक आपूर्ति की नहीं, बल्कि धारणा और सूचना की है। प्रदेश सरकार ने भी समय रहते स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सभी जिलों में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि जो लोग अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम आवश्यक भी है, क्योंकि झूठी जानकारी न केवल भ्रम फैलाती है, बल्कि व्यवस्था को भी बाधित करती है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू किसानों से जुड़ा हुआ है। गेहूं की कटाई का समय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कन्नौज जैसे इलाकों में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में ड्रम लेकर डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। यह उनकी आवश्यकता है, लेकिन जब इसमें अफवाह का तत्व जुड़ जाता है, तो मांग असामान्य रूप से बढ़ जाती है और व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। कुछ जिलों में प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए विशेष कदम उठाने पड़े। कहीं-कहीं पेट्रोल की मात्रा पर सीमा तय की गई, तो कहीं पुलिस की तैनाती कर दी गई। अंबेडकरनगर और बहराइच में पेट्रोल पंपों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन सक्रिय रहा। वहीं श्रावस्ती में डिब्बों में ईंधन देने पर रोक के विरोध में किसानों ने सड़क जाम तक कर दिया। यह दर्शाता है कि जब सूचना स्पष्ट नहीं होती, तो असंतोष और टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। कुछ स्थानों पर वास्तविक समस्या भी सामने आई, जैसे हाथरस और चित्रकूट में कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो गया। लेकिन यह कमी व्यापक नहीं थी, बल्कि स्थानीय स्तर पर असंतुलित मांग के कारण हुई। जब एक ही समय में बहुत अधिक लोग ईंधन लेने पहुंचते हैं, तो अस्थायी कमी होना स्वाभाविक है। इसे वास्तविक संकट नहीं कहा जा सकता। इस पूरे मामले में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जहां जिम्मेदार पत्रकारिता लोगों को सही जानकारी देती है, वहीं सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के फैलने वाली खबरें स्थिति को बिगाड़ सकती हैं। आज के डिजिटल युग में हर व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि प्रसारक भी बन गया है।

दो टूक- वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

लेखक- योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

एक घंटा अंधेराः भविष्य की सुनहरी रोशनी का वैश्विक संकल्प

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता आदिकाल से एक अटूट डोर से बंधा रहा है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उस डोर को इतना खींच दिया है कि अब उसके टूटने की आहट साफ सुनाई देने लगी है। इसी आहट को पहचानने और दुनिया को एक धागे में पिरोने का नाम है—अर्थ ऑवर। हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को दुनिया भर के करोड़ों लोग अपनी मर्जी से अपने घरों और दफ्तरों की लाइटें एक घंटे के लिए बंद कर देते हैं। यह केवल बिजली बचाने का कोई तकनीकी काम नहीं है, बल्कि यह धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता और चिंता का एक सामूहिक प्रदर्शन है। 28 मार्च की वह शाम जब घड़ी की सुइयां एक खास वक्त पर आकर ठहरेंगी और शहर की चकाचौंध को एक सुकून भरी खामोशी निगल लेगी, तब वह अंधेरा हमें डराएगा नहीं, बल्कि हमें आईना दिखाएगा। सोचिए, जिस सूरज की रोशनी और जिस हवा के झोंकों ने हमें जीवन दिया, आज वही हवा जहरीली हो रही है और वही मौसम बेईमान हो चुके हैं। हम एक ऐसी सभ्यता बन गए हैं जिसने उजाले की इतनी हसरत पाल ली कि हम सितारों भरी काली रातों का सौंदर्य ही भूल गए। अर्थ ऑवर हमें उसी प्राकृतिक सौंदर्य की याद दिलाता है। यह साठ मिनट का समय हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक तपती हुई धरती छोड़कर जा रहे हैं या एक सुरक्षित आशियाना? जब पेरिस के एफिल टॉवर से लेकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया तक की लाइटें गुल होती हैं, तो संदेश साफ़ होता है कि हम चाहे कितने भी आधुनिक क्यों न हो जाएं, कुदरत के नियमों से ऊपर नहीं हैं। नदी जैसे बहते इस जीवन में हम अक्सर भूल जाते हैं कि हर छोटी बूंद समंदर बनाती है। कई लोग सवाल करते हैं कि महज एक घंटा लाइट बंद करने से क्या होगा? क्या इससे ग्लोबल वार्मिंग रुक जाएगी? जवाब है—शायद तुरंत नहीं, लेकिन यह एक घंटा हमारे भीतर की सोई हुई चेतना को जगाने के लिए काफी है। यह एक ऐसी प्रतीकात्मक शुरुआत है जो हमें बताती है कि अगर हम एक घंटे के लिए पूरी दुनिया के साथ एकजुट हो सकते हैं, तो हम साल के बाकी दिनों में भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बन सकते हैं। यह अंधेरा दरअसल हमारी आत्मा का वह उजाला है जो हमें प्लास्टिक कम इस्तेमाल करने, पानी बचाने और हरियाली बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आज जलवायु परिवर्तन कोई किताबी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रहा है। कहीं बेमौसम बरसात हो रही है, तो कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। पहाड़ों का पिघलना और समंदर का बढ़ता स्तर हमें लगातार चेतावनी दे रहा है। अर्थ ऑवर इसी चेतावनी को एक सकारात्मक आंदोलन में बदलने का जरिया है। यह वह समय है जब हम अपनी मशीनी दुनिया से कटकर अपनों के साथ बैठ सकते हैं और उस खामोशी को महसूस कर सकते हैं जिसे हम दिनभर के शोर-शराबे में अनसुना कर देते हैं। अखबारों की सुर्खियों में जब प्रदूषण की खबरें आती हैं, तो हम अक्सर सरकार और सिस्टम को दोष देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। लेकिन अर्थ ऑवर हमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी का एहसास कराता है। यह बताता है कि दुनिया बदलने की शुरुआत हमारे अपने घर के स्विच बोर्ड से होती है। हमें यह गहराई से समझना होगा कि यह धरती हमें पूर्वजों से मिली कोई जागीर नहीं है, बल्कि हमने इसे अपने बच्चों से उधार लिया है। और उधार ली गई चीज को हमेशा बेहतर स्थिति में ही वापस लौटाना चाहिए। यह एक घंटा हमें यह भी सिखाता है कि उजाले का असली मोल अंधेरे की कोख में ही छिपा होता है। हमारी बेतहाशा बढ़ती जरूरतों ने धरती के संसाधनों को बुरी तरह निचोड़ दिया है, जिससे संतुलन बिगड़ रहा है। अब समय आ गया है कि हम अपनी विकासपरक सोच को पर्यावरण के साथ जोड़कर एक नई दिशा की ओर कदम बढ़ाएं। यदि हम आज सचेत नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के पास न तो शुद्ध हवा होगी और न ही शांत नीला आसमान। प्रकृति के साथ किया गया हर छोटा समझौता अंततः मानव सभ्यता के लिए ही एक बड़ा संकट बनकर सामने खड़ा हो जाता है। इस 28 मार्च को जब आप अपने घर का स्विच बंद करें, तो उसे केवल एक साधारण क्रिया न समझें। उसे एक बड़ा संकल्प समझें। वह एक घंटा इस बात की गवाही दे कि हम अपनी सुख-सुविधाओं के साथ-साथ इस नीले ग्रह की धड़कनों का भी ख्याल रखते हैं। वह अंधेरा हमें यह सिखाए कि असली चमक बाहर की कृत्रिम लाइटों में नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीने में है। आइए, इस सादगी भरी मुहिम का हिस्सा बनें और दुनिया को दिखा दें कि इंसानियत अभी सोई नहीं है, वह जाग रही है—सिर्फ एक घंटे के उस जादुई अंधेरे के लिए।

भारतीय फुटबॉल पर दाग! पैसों के झगड़े में कोच और खिलाड़ी स्टेडियम के बाहर अटके

कोच्चि। भारतीय पुरुष सीनियर फुटबॉल टीम को गुरुवार को कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना करना पड़ा, जब खिलाड़ियों और मुख्य कोच को प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए प्रवेश से रोक दिया गया। यह विवाद स्टेडियम के सिक्योरिटी डिपॉजिट के भुगतान को लेकर सामने आया। भारतीय टीम, जिसमें केरल के तीन खिलाड़ी भी शामिल थे, और मुख्य कोच खालिद जमील आगामी एएफसी एशियन कप क्वालिफायर मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। 31 मार्च को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले से पहले यह मीडिया बातचीत तय थी, लेकिन भुगतान विवाद के चलते इसे रद्द करना पड़ा। यह मामला स्टेडियम के मालिक ग्रेटर कोचिन डेवलपमेंट अथॉरिटी और केरल फुटबॉल एसोसिएशन के बीच बकाया राशि को लेकर है। जानकारी के मुताबिक, केरल फुटबॉल एसोसिएशन को मैच के लिए स्टेडियम चार दिनों तक बुक करने के बदले एक निश्चित सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करना था, जो समय पर नहीं किया गया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशनके एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'मुद्दा यह है कि केरल फुटबॉल एसोसिएशन को स्टेडियम को चार दिन के लिए बुक करने के लिए एक निश्चित राशि जमा करनी थी। इसी कारण स्टेडियम प्रशासन ने एंट्री रोक दी।'

दिग्गज बैडमिंटन प्लेयर ने लिया संन्यास, रियो ओलंपिक में रचा था इतिहास

मियामी, एजेंसी। बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी कैरोलिना मारिन ने घुटने की चोट से लंबे समय तक परेशान रहने के बाद बृहस्पतिवार को अपने पेशेवर करियर से संन्यास लेने की घोषणा की। उनके करियर में ओलंपिक स्वर्ण पदक और तीन विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल हैं। मारिन ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर कहा, 'मेरा सफर यहीं समाप्त होता है।' उन्होंने बताया कि चोट के कारण उन्होंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रतियोगिता से दूर रहने का कठिन निर्णय लिया।

कोहली ने बनवाया नया टैटू

जीवन-अनुभव और बदलाव की कहानी को दर्शाता है

बंगलूरू, एजेंसी। बंगलूरू दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले अपने टैटू कलेक्शन में एक नया और खास डिजाइन शामिल किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज का नया टैटू उनके जीवन, अनुभव और व्यक्तिगत बदलावों की कहानी को दर्शाता है।

पुराने डिजाइनों को एक नई कहानी में पिरोना

विराट कोहली ने जिस स्टूडियो में टैटू बनाया वहां से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, 'यह टैटू उनकी बाईं बांह पर बनाया गया है, जहां पहले से मौजूद टैटू को हटाने के बजाय उन्हें और बेहतर और गहराई देने का काम किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य पुराने डिजाइनों को एक नई कहानी में पिरोना है, जो मौजूदा समय के कोहली की सोच और व्यक्तित्व से मेल खाती हो।'

टैटू की शुरुआत ऐसे हुई, पैटर्न में बदलता

इस टैटू की शुरुआत शिव से प्रेरित एक आर्मबैंड को फिर से डिजाइन करने से हुई। इसके बाद यह डिजाइन एक बारीक मंडला पैटर्न में बदलता है, जिसे डॉटवर्क तकनीक से तैयार किया गया है। यह पैटर्न पूरी बांह पर एक फ्लो बनाता है और टैटू स्लीव का आधार तैयार करता है।टैटू में कमल और पियोनी जैसे फूलों को भी शामिल किया गया है, जो मजबूती, विकास और आंतरिक संतुलन के प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि, इन डिजाइनों के पीछे छिपे व्यक्तिगत अर्थ को पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे इसमें एक रहस्य भी बना रहता है।

टैटू स्लीव को जानबूझकर अधूरा छोड़ा

स्टूडियो ने यह भी बताया कि इस टैटू स्लीव को जानबूझकर अधूरा छोड़ा गया है। इसका कारण यह है कि कोहली के जीवन में आने वाले नए अनुभव, बदलाव और उपलब्धियां भविष्य में इस टैटू में जुड़ती रहेंगी। यानी यह टैटू किसी एक पल का प्रतीक नहीं, बल्कि उनकी पूरी यात्रा का साक्षी और जीवंत दस्तावेज बनेगा।विराट कोहली आईपीएल के पहले सीजन (2008) से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रही है। वह लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। टीम का यह पहला खिताब था और इसमें विराट कोहली की यादगार भूमिका रही थी। कोहली ने 15 मैचों में 8 अर्धशतक लगाते हुए 657 रन बनाए थे। आरसीबी आईपीएल 2026 में अपना खिताब डिफेंड करने उतरेगी और इसके लिए विराट कोहली का असाधारण प्रदर्शन एक बार फिर जरूरी होगा।

अक्षर के बाद अब शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अब विरोध बढ़ता जा रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इसके खिलाफ बयान दिया और अब गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से टीमों के मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बाहर भेजकर दूसरे किसी खिलाड़ी को शामिल करने की मंजूरी मिलती है। इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है। गिल ने कहा, निजी तौर पर मेरे ख्याल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होना चाहिए। इस मैच एकतरफा होता है। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है। मेरे लिए आसान पिच पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांच चुनौतीपूर्ण पिच पर 180 या 160 रन का पीछा करने में है।

लोग मेरी बैटिंग को भूल जाते हैं: क्रुणाल पांड्या

बेंगलुरु। भारतीय और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने इस बारे में बात की कि कैसे उनकी बैटिंग को एक स्किल के तौर पर नजरअंदाज किया जाता है और कैसे उनका लक्ष्य अभी भी देश का प्रतिनिधित्व करना है जबकि उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच लगभग 5 साल पहले खेला था। क्रुणाल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुके पॉडकास्ट के टीजर में बोल रहे थे और उनके शब्दों में दर्द साफ छलक रहा था। यह अनुभवी ऑलराउंडर फाइनल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहा था, जिसमें उसकी 2/17 की कसी हुई गेंदबाजी ने ख़िताब जीतने में मदद की थी। इस प्रतियोगिता के पिछले सीजन में क्रुणाल दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे जो तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (22 विकेट) के बाद थे।

व्यापार

पेट्रोल-डीजल पर सरकार का बड़ा फैसला, फिर भी तेल कंपनियों के शेयर गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल को लेकर बड़ा फैसला किया है। यह फैसला पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी से जुड़ा है। केंद्र ने पेट्रोल पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि डीजल से यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म कर दी है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। हालांकि, सरकार की तरफ से यह बड़ी राहत दिए जाने के बाद भी तेल कंपनियों के शेयर लुढ़क गए हैं। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 2 पर्सेंट तक टूट गए हैं। इस राहत भरे फैसले के बाद भी शेयर बाजार के हाहाकार के बीच इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयर 2 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 137.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयर 26 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर भी शुक्रवार को गिरावट के साथ 340.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयरों में 22 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर भी शुक्रवार को लुढ़कते हुए 281.45 रुपये पर पहुंच गए हैं। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयर पिछले एक महीने में करीब 27 पर्सेंट टूट गए हैं।

रुपया डॉलर के मुकाबले पहली बार 94 के पार, किस पर क्या पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रुपया शुक्रवार, 27 मार्च को ऐतिहासिक गिरावट के साथ पहली बार 94 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया। रुपया 94.15 के करीब पहुंच गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। मध्य पूर्व में जारी युद्ध और ऊर्जा संकट की आशंकाओं ने आयात पर निर्भर भारत जैसे देशों की मुद्रा पर दबाव बढ़ा दिया है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, ऐसे में तेल महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसके साथ ही वैश्विक बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी ने भी निवेशकों को सुरक्षित विकल्पों की ओर धकेला है, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के विरोधाभासी बयानों ने भी बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी है। एक ओर उन्होंने ईरान पर हमले टालने की बात कही, वहीं दूसरी ओर सख्त चेतावनी भी दी, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ।

विकास योजनाओं पर असर

फॉरेक्स एक्सपर्ट अमित पबारी के अनुसार, बाजार इस समय 'उम्मीद और अनिश्चितता' के बीच फंसा हुआ है। अगर तनाव कम होता है तो रुपया 1 से 1.5 तक रिकवर कर सकता है, लेकिन जब तक स्थिति साफ नहीं होती, तब तक उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। टेक्निकल तौर पर 94.00-94.20 का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस माना जा रहा है, जहां केंद्रीय बैंक की दखल की संभावना है। वहीं 92.80-93.00 का स्तर सपोर्ट के रूप में उभर रहा है।

जब डॉलर महंगा होता है, तो सरकार का खर्च बढ़ जाता है। ऐसे में सरकार को विकास योजनाओं (जैसे सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा) पर खर्च कम करना पड़ सकता है। इसका असर आम लोगों को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ता है।

सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा – देश में आने और जाने वाली विदेशी मुद्रा के अंतर को चालू खाता घाटा कहते हैं। जब आयात ज्यादा होता है, तो देश से ज्यादा डॉलर बाहर जाता है और घाटा बढ़ जाता है। भारत में सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा तेल और सोने के आयात पर खर्च होती है।

कमजोर रुपये के साइड इफेक्ट्स

डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि आम लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा देती है। जब रुपया कमजोर होता है, तो इसका सीधा असर महंगाई और आपके महीने के बजट पर पड़ता है। आइए समझते हैं कि रुपये में गिरावट क्यों होती है और इसका असर आप पर कैसे पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का 75% से 80% कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। जब रुपया कमजोर होता है, तो तेल आयात महंगा हो जाता है। अनुमान के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपये में 1 रुपये की गिरावट से तेल कंपनियों पर करीब 8,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ता है। भारत में कई जरूरी दवाएं विदेशों से आती हैं।

सोशल मीडिया बच्चों के लिए कितना खतरनाक

बच्चों का मेंटल हेल्थ खराब कर रहे थे मेटा और यूट्यूब, मालिकों को अरबों डॉलर का लगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में पहली बार जूरी ने बड़ी टेक कंपनियों को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। लॉस एंजेलिस में एक जूरी ने मेटा और यूट्यूब को उनके प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल से बच्चों को हुए नुकसान के लिए दोषी पाया। इस खबर के बाद मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा के शेयर भी गुरुवार को 7.92 प्रतिशत लुढ़ककर 547.75 डॉलर पर बंद हुए। इसका असर उनके नेटवर्थ पर पड़ा और एक ही दिन में उनकी संपत्ति 16 अरब डॉलर कम होकर 195 अरब डॉलर पर आ गई। यानी जुकरबर्ग 200 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए।

गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयर भी औंधेमुंह गिरे। इससे लैरी पेज की संपत्ति में गुरुवार को 7.11 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। अब उनकी संपत्ति 243 अरब डॉलर रह गई है। सर्गी ब्रिन भी 6.54 अरब डॉलर की चोट खा बैठे। उनकी संपत्ति अब 226 अरब डॉलर रह गई है। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक न्यू मैक्सिको में भी जूरी ने माना कि मेटा को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव की जानकारी थी, लेकिन उसने

इसे छिपाया। यह फैसला उन वर्षों की चिंताओं के बाद आया है, जिनमें माता-पिता, डॉक्टर और विशेषज्ञ सोशल मीडिया को बच्चों के लिए खतरनाक बताते रहे हैं, जिससे लत, डिप्रेशन, ईटिंग डिसऑर्डर और यहां तक कि आत्महत्या के खतरे बढ़ते हैं। इस फैसले के बाद टेक कंपनियों पर दबाव बढ़ने की संभावना है। इन फैसलों से असहमति जताई है और अपील करने की बात कही है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह टेक इंडस्ट्री के लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। इन मामलों में खास बात यह रही कि कंपनियों के कंटेंट नहीं, बल्कि उनके प्लेटफॉर्म के डिजाइन–जैसे एडिक्टिव फीचर्स को जिम्मेदार ठहराया गया।

इससे 230 जैसी कानूनी सुरक्षा को भी आंशिक रूप से दरकिनार किया गया। अब आने वाले समय में ऐसे और मुकदमे और सख्त नियम देखने को मिल सकते हैं, जिससे सोशल मीडिया कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं।

अमेरिकी शेयर मार्केट में आई गिरावट का असर दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपत्ति पर पड़ा। एलन मस्क को करीब 10 अरब डॉलर की चोट पहुंची और उनका नेटवर्थ 644 अरब डॉलर रह गया। गिरावट के इस तूफान में दुनिया के टॉप-17 अमीरों को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में तीसरे नंबर पर काबिज जेफ बेजोस की संपत्ति में 3.31 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। उनकी संपत्ति अब 232 अरब डॉलर रह गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में छठे नंबर पर काबिज लैरी एलिसन की दौलत में 3.46 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। एलिसन के पास अब कुल संपत्ति 192 अरब डॉलर है।

सोना-चांदी के भाव में आज तेजी, 1,43,829 पर गोल्ड और सिल्वर 2,23,978 पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। नरम डॉलर के बीच शुक्रवार, 27 मार्च की सुबह एमसीएक्स पर सोने की दर में बढ़ोतरी हुई। एमसीएक्स पर सोना लगभग 1% उछलकर 1,43,829 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि एमसीएक्स चांदी लगभग 2% बढ़कर 2,23,978 प्रति किलोग्राम हो गया। इंटरनेशनल मार्केट में भी हल्की रिकवरी देखने को मिली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 0.33% बढ़कर करीब 4,423 प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी 0.29% की बढ़त के साथ 68.13 प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। इससे पहले पिछले सत्र में दोनों धातुओं में तेज गिरावट आई थी, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले की समयसीमा 10 दिन और बढ़ाने के फैसले से बाजार को राहत मिली है। इससे निवेशकों का भरोसा थोड़ा लौटा और कीमती धातुओं में खरीदारी दिखी। हालांकि, पिछले एक महीने में जारी युद्ध के चलते सोना करीब 17% तक गिर चुका है, जो आमतौर पर इसके 'सेफ हेवन' इमेज के विपरीत है। दरअसल, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई का खतरा बढ़ा है, जिससे केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरें ऊंची रखने या बढ़ाने की संभावना बनी हुई है।

इसका सीधा असर सोने-चांदी पर पड़ता है, क्योंकि ये बिना ब्याज देने वाली संपत्ति हैं।

डॉलर इंडेक्स 100 के आसपास मजबूत बना हुआ है, जिससे अन्य देशों के निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है। इसके अलावा तुर्की के सेंट्रल बैंक द्वारा बड़ी मात्रा में सोना बेचने की खबर ने भी कीमतों पर दबाव डाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संघर्ष के शुरुआती दो हफ्तों में करीब 60 टन सोना बेचा गया। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन धीरे-धीरे रिकवरी के संकेत भी मिल रहे हैं। कमजोर डॉलर और वैश्विक अनिश्चितता के चलते सोने में दोबारा मांग बढ़ सकती है, जबकि चांदी को इंडस्ट्रियल डिमांड से सपोर्ट मिल रहा है। हालांकि, मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरें बड़ी तेजी पर रोक लगा सकती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)